www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 279 || अम्बेडकरनगर
रविवार
04 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:26
अधिकतमः 16°00
न्यूनतमः 08°00

पेज 07

विशेष समाचार
इन्दौर की जल-त्रासदी और ... » पेज 04
अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी... » पेज 06
श्रद्धा ने पैपराजी को वीडियो ...

अमेरिका का वेनेजुएला पर हमला

राष्ट्रपति को पकड़ा, बेडरूम से पति-पत्नी को घसीटकर बाहर निकाला, अब न्यूयॉर्क ला रहे

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली, काराकस । अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने का दावा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया एडेला अब अमेरिकी सैनिकों के कब्जे में हैं। उन्हें न्यूयॉर्क लाया जा रहा है। CNN ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी को सेना ने बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला और अपने कब्जे में लिया। ट्रम्प इस मौके का लाइव ऑपरेशन देख रहे थे। अमेरिका ने बीती रात करीब 2 बजे (भारतीय समय के मुताबिक शनिवार सुबह 11:30 बजे) वेनेजुएला के 4 शहरों पर हमले किए थे। >> (शेष पेज 06 पर)

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के पकड़े जाने की यह तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल है।

अमेरिकी हमले के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो ने बयान जारी कर कहा था कि वे जवाब देंगे। उन्होंने देशभर में इमरजेंसी लगाने का ऐलान किया था। उनके बयान जारी करने के 1 घंटे बाद ट्रम्प ने उन्हें पकड़ने का ऐलान किया।

ट्रम्प ने मादुरो को पकड़ने का ऑपरेशन लाइव देखा

ट्रम्प ने फॉक्स न्यूज को फोन इंटरव्यू में कहा कि उन्होंने मादुरो को पकड़ने की पूरी कार्रवाई लाइव देखी। यह सब उन्होंने सैन्य जनरलों के साथ एक कमरे में बैठकर देखा।

ट्रम्प ने कहा कि यह ऑपरेशन बिल्कुल टीवी शो देखने जैसा था। दुनिया में कोई और देश ऐसे मिशन को अंजाम नहीं दे सकता।

ट्रम्प ने कहा कि सेना ने कुछ ही सेकेंड में मजबूत स्टील के दरवाजे तोड़कर अंदर घुसकर मादुरो को पकड़ लिया। उन्होंने यह भी कहा कि पूरा ऑपरेशन बेहद मुश्किल था और हर पल की जानकारी जनरलों को थी। सब कुछ तय प्लान के मुताबिक हुआ। ट्रम्प के मुताबिक इस मिशन में बड़ी संख्या में अमेरिकी विमान शामिल थे। >> (शेष पेज 06 पर)

वेनेजुएला पर हमले की 3 बड़ी वजह

अमेरिका का कहना है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन रही थी और वहां से अमेरिका के खिलाफ साजिशें हो रही थीं।

ट्रम्प का आरोप है कि वेनेजुएला उनके देश में कोकीन और फेंटेनाइल जैसी खतरनाक ड्रग्स की तस्करी का बड़ा रास्ता बन चुका है। इसे खत्म करने के लिए मादुरो को सत्ता से हटाना जरूरी है।

ट्रम्प का आरोप है कि मादुरो की नीतियों से लाखों वेनेजुएलाई लोगों को देश छोड़ अमेरिका भागना पड़ा। उन्होंने जेल और मानसिक अस्पताल से अपराधियों को अमेरिका भेजा।

राजधानी काराकास में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का एक समर्थक उनकी तस्वीर हाथ में पकड़े हुए।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला का अगला नेता अमेरिका तय करेगा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प नेफॉक्स न्यूज को दिए फोन इंटरव्यू में कहा कि वेनेजुएला का अगला नेता चुने जाने में अमेरिका शामिल रहेगा। उन्होंने कहा कि किसी और को सत्ता संभालने देकर वेनेजुएला में मादुरो की नीतियां जारी नहीं रहने दे सकते। >> (शेष पेज 06 पर)

पलटवार: अजित पवार अपने गिरेबान में झांकें : भाजपा

महायुति गठबंधन में आपसी झगड़े शुरू

तंज

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के बीच महायुति गठबंधन में आपसी झगड़े शुरू हो गए हैं। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा- जिन लोगों ने कभी मुझ पर 70 हजार करोड़ के सिंचाई घोटाले जैसे आरोप लगाए थे, वही लोग आज मेरे साथ सत्ता में हैं। सिर्फ आरोप लगने से कोई व्यक्ति दोषी नहीं हो जाता है, जब तक अदालत में अपराध साबित न हो जाए।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शुक्रवार को पिंपरी-चिंचवड़ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बीजेपी पर तंज कसा।

अजित पवार भाजपा नेता मुरलीधर मोहोल के बयान पर बोल रहे थे। मोहोल ने कहा था- एनसीपी ऐसे उम्मीदवारों को टिकट क्यों दे रही है, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

अगर अजित पवार को भाजपा को लेकर कोई शंका है, तो उन्हें मीडिया में बयान देने के बजाय जांच एजेंसियों के पास जाना चाहिए।

- रवींद्र चव्हाण
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा

बीसीसीआई के निर्देश के बाद शाहरुख की टीम का फैसला, केकेआर से बाहर

मुस्तफिजुर रहमान की छुट्टी

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स ने बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर कर दिया है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रही हिंसा के बीच उन्हें टीम से हटाने की मांग उठ रही थी। इसके बाद BCCI ने शाहरुख खान की IPL टीम KKR को मुस्तफिजुर रहमान को हटाने का निर्देश दिया था, जिसके बाद यह फैसला लिया गया। KKR ने ट्वीट किया, BCCI के निर्देश के बाद सभी जरूरी प्रक्रियाओं और आपसी परामर्श के बाद मुस्तफिजुर को टीम से बाहर कर दिया गया है। >> (शेष पेज 06 पर)

बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही हिंसा के बीच रहमान के आईपीएल में खेलने का विरोध हो रहा है। वहां पिछले 14 दिन में 3 हिंदुओं की हत्या की जा चुकी है। आईपीएल 2026 की शुरुआत 26 मार्च से होगी। जबकि लीग का फाइनल मैच 31 मई को खेला जाएगा।

मोदी बोले-उनके लिए ये एंटीक पीस थे हमारे लिए सबकुछ, दिल्ली में एग्जीबिशन का उद्घाटन किया

'125 साल बाद बुद्ध के अवशेष भारत लाए गए'

वापसी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । पीएम मोदी ने भगवान बुद्ध से जुड़े अवशेषों की भारत वापसी पर कहा कि इन अवशेषों को अपने बीच पाकर हम धन्य है। 125 साल के इंतजार के बाद भारत की विरासत लौटी है। अवशेषों का भारत से बाहर जाना फिर वापस आना एक बड़ा सबक है। गुलामी के काल में इन्हें भारत से छीना गया था।

जो लोग इसे लेकर गए थे उनके ये केवल एंटीक थे इसलिए उन्होंने अंतरराष्ट्रीय बाजार में नीलाम करने की भी कोशिश की। भारत ने तय किया कि हम इनकी नीलामी नहीं होने देंगे। हम गोदरेज समूह का आभार व्यक्त करते हैं

उनके सहयोग से ये मुमकिन हो सका कि ये अवशेष बुद्ध की भूमि पर वापस आए। दरअसल साल 1898 में उत्तर प्रदेश के पिपरहवा (कपिलवस्तु क्षेत्र) में खुदाई के दौरान भगवान बुद्ध के अवशेष मिले थे। यह खुदाई ब्रिटिश काल में हुई थी। खुदाई कराने वाले व्यक्ति डब्ल्यू. सी. पेपे, उस समय ब्रिटिश शासन में एक इंजीनियर थे। >> (शेष पेज 06 पर)

पीएम ने कार्यक्रम के दौरान देशभर से आए बौद्ध गुरुओं को सम्मानित किया।

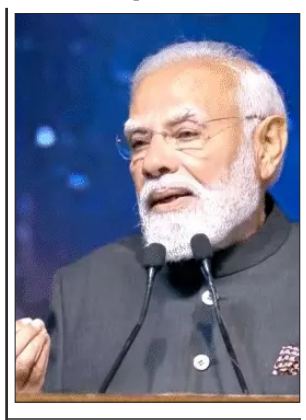

'भगवान बुद्ध का ज्ञान पूरी मानवता का'

पीएम मोदी बोले भगवान बुद्ध का ज्ञान पूरी मानवता का है। ये भाव हमने बीते कुछ महीनों में महसूस किया। ये अवशेष जिस देश में गए वहां आस्था का सैलाब उमड़ा। थाईलैंड में रखे गए अवशेषों का 40 लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किया। मंगोलिया में हजारों लोग घंटो प्रतीक्षा करते रहे। कई लोग भारतीय प्रतिनिधियों को छूना चाह रहे थे क्योंकि वे बुद्ध की भूमि से आए थे। रूस में भी लाखों लोगों ने इसके दर्शन किए। >> (शेष पेज 06 पर)

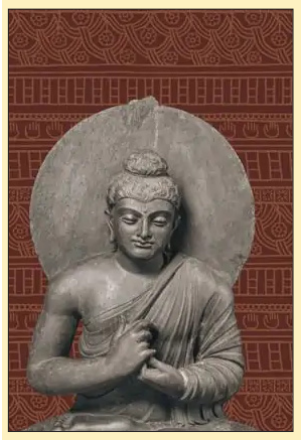

पिपरहवा अवशेष भगवान बुद्ध से जुड़ी हुई पवित्र और पुरातात्विक चीजें हैं। ये अवशेष उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में स्थित पिपरहवा नामक स्थान पर खुदाई के दौरान मिले थे।

मान्यता है कि इनमें भगवान बुद्ध की अस्थियां (धातु अवशेष) और उनसे जुड़ी प्राचीन वस्तुएं शामिल हैं, जिन्हें उनके महापरिनिर्वाण के बाद अलग-अलग स्थानों पर रखा गया था।

सपा की सरकार में महिलाओं को हर साल मिलेंगे 40 हजार

अखिलेश ने की घोषणा, भाजपा ने दिया धोखा

ऐलान

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार से हर वर्ग त्रस्त है। भाजपा जनता को गुमराह करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपनाएगी। मंत्रिमंडल विस्तार के नाम पर जनता को धोखा देने के लिए मंत्री बनाएगी। भाजपा को हटाने के लिए सावधान रहकर राजनीति करनी है। वर्ष 2027 में सपा की सरकार बनने पर महिलाओं को हर साल 40 हजार रुपये देकर उनकी मदद की जाएगी। यह मदद पात्र महिलाओं के लिए होगी। सपा अध्यक्ष शनिवार को विभिन्न जिलों से प्रदेश सपा मुख्यालय पर आए कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। >> (शेष पेज 06 पर)

सावित्री बाई फुले की मनाई जयंती

प्रदेश सपा मुख्यालय पर देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्री बाई फुले की जयंती सादगी से मनाई गई। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत में महिला शिक्षा की ज्योति जलाकर महिला सशक्तिकरण का मार्ग प्रशस्त करने वाली सावित्री बाई फुले महान समाज सेविका भी थीं। इसके अलावा सपा अध्यक्ष ने समाजवादी पीडीए पंचांग-2026 का विमोचन किया। इसमें पीडीए समाज के महापुरुषों की जयंती और पुण्यतिथि के साथ राष्ट्रीय एवं ऐतिहासिक दिवसों का भी उल्लेख है।

फास्ट न्यूज

तिरुपति के गोविंदराजस्वामी मंदिर पर नशे में चढ़ा व्यक्ति

तिरुपति । आंध्र प्रदेश के तिरुपति में शुक्रवार देर रात गोविंदराजस्वामी मंदिर के ऊपर पर एक व्यक्ति चढ़ गया और हंगामा किया। व्यक्ति ने कहा कि उसे एक क्वार्टर शराब की बोतल चाहिए तभी वह नीचे उतरेगा।

घटना शर्मनाक

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

नई दिल्ली। बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या कर दी गई है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को व्यापारी खोकन चंद्र दास पर जानलेवा हमला हुआ था। 50 वर्षीय खोकन चंद्र दास तीन दिन से जिंदगी की जंग लड़ रहे थे, लेकिन आज शनिवार, 3 जनवरी को इस हिंदू व्यापारी की मौत हो गई। खोकन चंद्र दास ढाका से 150 किलोमीटर दूर अपने गांव में दवा और मोबाइल बैंकिंग का काम करते थे। बुधवार को जब वे दुकान बंद करके घर लौट रहे थे, तब दंगाइयों ने उन पर धारदार हथियारों से वार किया और पेट्रोल डालकर आग लगा दी।

हैदराबाद में ज्वेलरी शॉप में पिस्तौल-कुल्हाड़ी लेकर घुसे बदमाश

हैदराबाद । हैदराबाद के रामपल्ली एक्स रोड्स इलाके में एक ज्वेलरी शॉप में लूट की बड़ी कोशिश नाकाम हो गई। शुक्रवार को दो अज्ञात बदमाश अपने चेहरे ढककर दुकान में घुसे थे लेकिन दुकानदार ने बहादुरी से दोनों लुटेरों का सामना किया और उन्हें खाली हाथ भगा दिया।

पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है।

ढिलाई : पुलिस ने केवल शांति भंग की धारा में निपटाया मामला, गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज नहीं

सार्वजनिक सड़क पर तलवार लहराने का वीडियो वायरल

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो के बाद हुई गिरफ्तारी

बृजेन्द्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। अकबरपुर कोतवली क्षेत्र के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन स्थित महफ़िल कैफे में जन्मदिन मनाने आए युवाओं द्वारा सार्वजनिक सड़क पर तलवार लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की, लेकिन मामला केवल शांति भंग की धारा में चालान कर निपटाने के कारण पुलिस की कार्यशैली और मंशा पर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोग और सुरक्षा विशेषज्ञ दोनों ही इस कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर हथियार लहराना गंभीर अपराध है और इसे नजरअंदाज करना कानून के प्रति अविश्वास पैदा करता है। >> (शेष पेज 06 पर)

गिरफ्तार किए गए आरोपी, लेकिन कार्रवाई कमजोर

पुलिस ने मामले में इम्तियाज अहमद पुत्र तहुवर अली, जीशान पुत्र गुड्डू गुड्डू, मो. आरजू पुत्र इरफा-नउल्लाह और तारिक पुत्र अनवर जमाल को गिरफ्तार किया। हालांकि गिरफ्तारी के बावजूद उनके खिलाफ कोई ठोस मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। केवल शांति भंग की आशंका में चालान किया गया, जिससे क्षेत्र में यह चर्चा का विषय बन गया कि क्या कानून का पैमाना सबके लिए समान है।

खुलेआम धारदार हथियार का प्रदर्शन, आमजन में भय का माहौल

वीडियो में साफ तौर पर देखा गया कि युवाओं ने तलवार के साथ केक काटा और तलवार लहराकर स्थानीय लोगों में भय पैदा किया। इसके बावजूद न तो आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया और न ही किसी गंभीर आपराधिक धारा का उपयोग किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यही कृत्य किसी आम व्यक्ति द्वारा किया जाता, तो सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाता।

प्रेस नोट में भी कोई ठोस जानकारी नहीं

पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट में भी किसी गंभीर धाराओं का जिक्र नहीं किया गया। इस कारण यह आशंका जताई जा रही है कि मामले को जानबूझकर हल्की धाराओं में दबाने की कोशिश की गई। जबकि मामूली मामलों में पुलिस कठोरता दिखाती है, इस मामले में केवल गिरफ्तारी कर फोटो पत्रकारों को दिखाया गया और सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्ट तक नहीं डाली गई।

'मनरेगा हटाकर सरकार ने गांधी को दूसरी बार मारा'

बीजेपी और आरएसएस महिला-दलित विरोधी : सिद्धारमैया

तानाशाही

तमसा संकेत, एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक के CM सिद्धरमैया ने शनिवार को मनरेगा स्कीम की जगह लाए गए विकसित भारत गारंटी रोजगार आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट (VB-G RAM G) की आलोचना की। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी को पहली बार गोडसे ने मारा था। लेकिन मनरेगा को खत्म करके केंद्र सरकार ने दूसरी बार महात्मा गांधी को मारा है। बेंगलुरु के एक कार्यक्रम में सिद्धरमैया ने कहा कि मनरेगा का मकसद गरीब और छोटे किसानों को फायदा पहुंचाना था, लेकिन मोदी सरकार ने राज्यों से सलाह किए बिना यह फैसला लिया, जो तानाशाही रवैया दिखाता है।

सिद्धारमैया ने BJP और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) पर महिलाओं, दलितों का विरोध करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा- मनरेगा को खत्म करके वे कॉर्पोरेट हितों की मदद कर रहे हैं और ग्रामीण आजीविका को नष्ट कर रहे हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

कांग्रेस 10 जनवरी से देशभर में आंदोलन करेगी

आर्थिक सहायता से बदली सामाजिक सोच, लाखों परिवारों का सरकार पर बढ़ा भरोसा

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से बेटियों को शिक्षा और सुरक्षा का संबल

सहायता

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बालिकाओं के कल्याण और सशक्तिकरण को लेकर योगी आदित्यनाथ सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के माध्यम से सरकार ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि बेटियां बोझ नहीं बल्कि समाज की ताकत हैं। इस योजना के द्वारा लगभग 27 लाख बेटियों का भविष्य सशक्त हो रहा है। योजना का उद्देश्य प्रदेश में लैंगिक समानता स्थापित करना, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना और बालिकाओं के जन्म के

प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना है। सरकार ने योजना के लिए पर्याप्त बजट सुनिश्चित किया है। इस वर्ष 3.28 लाख लाभार्थियों को 130.03 करोड़ रुपये की धनराशि योजना के अंतर्गत दी गई है। यह दर्शाता है कि योगी सरकार बालिकाओं के कल्याण को दीर्घकालिक नीति के रूप में आगे बढ़ा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रदेश सरकार ने योजना के अंतर्गत दी जाने वाली कुल सहायता राशि को 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दिया। यह सहायता 6 चरणों में प्रदान की जाती है। जन्म के समय 5,000 रुपये, 2 वर्ष की आयु पर टीकाकरण पूर्ण होने पर 2,000 रुपये, कक्षा 1 में प्रवेश पर 3,000 रुपये, कक्षा 6 में प्रवेश पर 3,000 रुपये, कक्षा 9 में प्रवेश पर 5,000 रुपये तथा कक्षा 10 या 12 की परीक्षा उत्तीर्ण कर डिप्लोमा या स्नातक अथवा उससे अधिक अवधि के डिग्री कोर्स में प्रवेश लेने पर 7,000 रुपये की सहायता दी जाती है। यह व्यवस्था बालिकाओं को हर शैक्षिक पड़ाव पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही है।

सरकार की इस पहल से 27 लाख बेटियों का भविष्य हो रहा सशक्त

लैंगिक समानता की दिशा में सरकार का ठोस कदम

योजना का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक कारणों से किसी भी बालिका की शिक्षा या विकास बाधित न हो और परिवारों को बेटियों के पालन पोषण में सहयोग मिल सके।

> वर्ष 2019 में शुरू की गई मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत ऐसे परिवारों की बालिकाओं को लाभ दिया जा रहा है, जिनके परिवार उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं। पात्रता की शर्तों के अनुसार परिवार की वार्षिक आय 3.00 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए और परिवार में अधिकतम 2 बच्चे होने चाहिए।

लाखों बालिकाओं तक पहुंची योजना

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत अब तक लगभग 27 लाख पात्र बालिकाओं को लाभान्वित किया जा चुका है। इस पर राज्य सरकार द्वारा कुल 647.21 करोड़ रुपये की धनराशि व्यय की गई है। यह आंकड़े बताते हैं कि योजना केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू की जा रही है। बड़ी संख्या में लाभार्थियों तक सहायता पहुंचना सरकार की प्रशासनिक प्रतिबद्धता और पारदर्शी व्यवस्था को दर्शाता है।

फर्जी मुकदमा दर्ज कराने वाला वादी निकला आरोपी, 7 गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

- जमीन सौदे में धोखाधड़ी का खुलासा, गोसाईगंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई

लखनऊ। गोसाईगंज थाना पुलिस ने न्यायालय को गुमराह कर फर्जी प्रार्थना पत्र के जरिए मुकदमा दर्ज कराने के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए कुल सात अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। जांच में सामने आया कि वादी खुद ही धोखाधड़ी की साजिश में शामिल था और अपने सहयोगियों के साथ मिलकर झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया था।

पुलिस के अनुसार, कलीम खां ने जमीन बिक्री से जुड़े मामले में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज और लूट जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान तथ्य सामने आए कि कलीम खां स्वयं नामजद अभियुक्तों के साथ मिलकर पूरे घटनाक्रम में शामिल था और जानबूझकर खुद को बचाने के लिए उसने झूठा प्रार्थना पत्र दिया।

जांच में वास्तविक पीड़ित के रूप में गोमतीनगर निवासी श्याम नारायण गुप्ता का नाम सामने आया, जिसके बाद मुकदमे में वादी को आरोपी बनाया गया। साथ ही, चार अन्य लोगों की संलिप्तता पाए जाने पर उन्हें भी अभियुक्त बनाया गया। जबकि दो नामजद आरोपियों की भूमिका न पाए जाने पर उन्हें मामले से अलग कर दिया गया।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में गोमती नदी पर बनेगा स्माइलिंग ब्रिज

लखनऊ । लखनऊ की गोमती नदी पर प्रस्तावित पेडेस्ट्रियन ब्रिज के निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। 54 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले 180 मीटर लंबे इस ब्रिज को शासन की मंजूरी मिल गई है। 'मुस्कुराइए कि आप लखनऊ में हैं' की थीम पर तैयार होने वाला यह स्माइलिंग ब्रिज गोमती नगर के रिवर फ्रंट के दोनों किनारों को जोड़ते हुए शहर की खूबसूरती में इजाफा करेगा।

1326 ग्राम पंचायतों में किया गया, ग्राम चौपालों का आयोजन

लखनऊ । उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्रामीणो की समस्यायों के निराकरण हेतु प्रदेश के प्रत्येक विकास खण्ड की दो ग्राम पंचायतों में प्रत्येक शुक्रवार को ग्राम चौपाल,(गांव की समस्या -गांव में समाधान)का आयोजन किया जा रहा है,और बहुत बड़ी संख्या में लोगों की समस्यायों का निराकरण उनके गांव में ही हो रहा है।डबल इन्जन सरकार खुद चलकर गांव व गरीबों के पास जा रही है, ग्राम चौपालों से जहां गांवों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की जमीनी हकीकत का पता चलता है।

केजीएमयू डॉक्टर के घर की कुर्की होगी

लखनऊ । लखनऊ KGMU के लव जिहाद मामले में फरार आरोपी डॉक्टर रमीजुद्दीन नाइक के खिलाफ एक्शन जारी है। अब रमीज के घरों की कुर्की होगी। शनिवार को लखनऊ पुलिस उत्तराखंड के खटीमा और पैतृक निवास पीलीभीत स्थित घरों की कुर्की करेगी। पुलिस की 2 टीमें उत्तराखंड रवाना हो गई हैं। इस बीच आरोपी डॉक्टर की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की 5 टीमें लगी हैं।

गैंगेस्टर एक्ट में वांछित आरोपी हुआ गिरफ्तार

लूट-छिनैती गैंग का सक्रिय सदस्य था फरार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के जोन दक्षिणी अंतर्गत थाना गोसाईगंज पुलिस ने गैंगेस्टर एक्ट में वांछित एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और लूट व छिनैती की कई घटनाओं में उसकी संलिप्तता सामने आई है।

पुलिस के अनुसार, थाना पीजीआई क्षेत्र में लूट और छिनैती की बढ़ती घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई के तहत 9 सितंबर 2025 को गैंगलीडर सुमित चौहान और उसके साथियों के खिलाफ गैंगेस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। इस मामले में गैंग के सदस्य आयुष शाक्य लगातार फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में गोसाईगंज पुलिस टीम का गठन किया गया। दिनांक 2 जनवरी 2026 की रात पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए अभियुक्त आयुष शाक्य को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी गैंग के साथ मिलकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम देता था। उसके खिलाफ थाना पीजीआई और आलमबाग में लूट व छिनैती के कई मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस गिरफ्तारी से क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गिरोह पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा।

'नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो'

बेरोज़गार, वंचित और अपमानित-हर वर्ग की आवाज़ बनेगी 'रोज़गार दो सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बेरोज़गारी, पेपर लीक, आरक्षण में घोटालों और बढ़ते सामाजिक भेदभाव के ख़िलाफ़ निर्णायक लड़ाई का एलान करते हुए आम आदमी पार्टी उत्तर प्रदेश की प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बताया कि पार्टी अपने तीसरे चरण की 'रोज़गार दो–सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा की शुरुआत 16 जनवरी से 22 जनवरी तक करेगी। यह पदयात्रा मिर्जापुर के शहीद उद्यान से काशी–वाराणसी के सारनाथ तक लगभग 90–100 किलोमीटर के रूट पर निकाली जाएगी। संजय सिंह ने कहा कि यात्रा से जुड़ने के लिए नंबर 7500040004 पर मिस्ड कॉल दें या मोबाइल नंबर 8588841358 पर कॉल करें। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि भर्ती प्रक्रियाओं में ओबीसी, एससी और एसटी के संवैधानिक आरक्षण को सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया। "69,000 शिक्षक भर्ती हो, बांदा विश्वविद्यालय, लखीमपुर कोऑपरेटिव बैंक या पशुधन विभाग—हर जगह आरक्षण के हक़ पर डाका पड़ा। यह आरक्षण भाजपा की देन नहीं, संविधान का अधिकार है, और इसी अधिकार को कुचला जा रहा है।" उन्होंने स्पष्ट किया कि सामाजिक न्याय का मुद्दा इसलिए केंद्रीय है क्योंकि नौकरी और सम्मान—दोनों छीने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सामाजिक अपमान की घटनाएं भी बढ़ी हैं—कभी किसी बुजुर्ग को पेशाब चटवाकर अपमानित किया जाता है, कभी किसी कथावाचक की चुटिया काटी जाती है क्योंकि वह पिछड़ी जाति से आता है तो कभी एक सीआरपीएफ के जवान को घोड़ी पर चढ़ने से रोका जाता है। "यह सब उत्तर प्रदेश की तस्वीर बन चुकी है और इसी तस्वीर को बदलने के लिए यह पदयात्रा है।" संजय सिंह ने बताया कि बेरोज़गारी से त्रस्त बुनकर समाज, रेहड़ी–पटरी वाले जिनकी दुकानों पर बुलडोज़र चला, आशा–बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रोजगार सेवक, शिक्षामित्र, नियमितीकरण और पेंशन के लिए संघर्षरत कर्मचारी—हर उस वर्ग की आवाज़ यह यात्रा बनेगी जो अपने हक़ के लिए लड़ रहा है।

आरक्षण संविधान का अधिकार है, भाजपा की कृपा नहीं : संजय सिंह

रोजगार के नाम पर एक संगठित खेल चल रहा

आप सांसद संजय सिंह ने प्रेस वार्ता में कहा कि उत्तर प्रदेश में रोजगार के नाम पर एक संगठित खेल चल रहा है। "कभी पेपर लीक, कभी हाईकोर्ट से स्टे, कभी सुप्रीम कोर्ट में सरकार की अपील—नतीजा यह कि नौजवान हाथ में फाइल और आंखों में सपने लिए दर-दर भटक रहा है।" उन्होंने कहा कि लेखपाल, दरोगा, सिपाही, पीसीएस-जे जैसी परीक्षाओं में बार-बार गड़बड़ियां कराकर युवाओं का भविष्य चौपट किया गया है।

- मिर्जापुर के शहीद उद्यान से काशीझवाराणसी के सारनाथ तक लगभग 100 किलोमीटर के रूट पर निकाली जाएगी पदयात्राः संजय सिंह
- पेपर लीक और आरक्षण घोटालों के ख़िलाफ़ मिर्जापुर से सारनाथ तक तीसरे चरण की निर्णायक पदयात्रा
- 16 - 22 जनवरीः रोजगार और सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने सड़क पर उतरेगी आम आदमी पार्टीः संजय सिंह

कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डी.के. ठाकुर (आईपीएस) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया

360 वार्डेनों ने प्रशिक्षण के बाद प्राप्त किया प्रमाण-पत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। शनिवार को इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ स्थित मून हॉल में संचालित नागरिक सुरक्षा संगठन के वार्डेन क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक सिविल डिफेंस डी.के. ठाकुर (आईपीएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि डी.के. ठाकुर (आईपीएस) द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात नागरिक सुरक्षा संगठन के चीफ वार्डेन द्वारा मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक डी.के. ठाकुर आई पी एस को अंग-वस्त्र, पुष्प-गुच्छ एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वार्डेन क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त समस्त प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित किये गये। समापन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि डी.के. ठाकुर (आईपीएस) ने नागरिक सुरक्षा वार्डेन सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आपदा प्रबंधन, आपातकालीन परिस्थितियों तथा जन-सुरक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षित वार्डेनों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी स्वयंसेवकों को अनुशासन, सेवा-भाव एवं निरन्तर प्रशिक्षण के माध्यम से समाज सेवा हेतु तत्पर रहने के लिए प्रेरित किया।

> प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले सभी वार्डेनों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार के क्षमता निर्माण कार्यक्रम स्वयंसेवकों के कौशल विकास के साथ-साथ नागरिक सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कुल 04 सत्रों में आयोजित

कार्यक्रम के अंत में नागरिक सुरक्षा संगठन के चीफ वार्डेन अमरनाथ मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कुल 04 सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें प्रत्येक सत्र की अवधि 07 दिवस की रही। प्रत्येक सत्र में 90 प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार कुल 360 वार्डेनों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर आज प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रशिक्षकों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन निरन्तर किया जाता रहेगा, जिससे नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को और अधिक सक्षम एवं प्रशिक्षित बनाया जा सके।

एलयू के नए कुलपति बने प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को नया कुलपति मिल गया है. ये जिम्मेदारी अब प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी संभालेंगे. फिलहाल वह मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति हैं. उनकी नियुक्ति लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के तौर पर तीन साल के लिए की गई है. राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने जय प्रकाश सैनी को लखनऊ यूनिवर्सिटी का कुलपति नियुक्त किया है.

यूनिवर्सिटी के विकास और शैक्षणिक गुणवत्ता को आगे बढ़ाने की दिशा में ये कदम बहुत ही अहम माना जा रहा है. जय प्रकाश सैनी को लखनऊ यूनिवर्सिटी का कुलपति बनाए जाने के संबंध में आदेश अधिकारियों को भेज दिया गया है. दूसरी यूनिवर्सिटी के प्रमुखों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी आदेश की प्रतिलिपि भेज दी गई है.

प्रोफेसर जय प्रकाश सैनी ने मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति रहते हुए कई अहम सुधार किए हैं. जिसके बाद यूनिवर्सिटी की पढ़ाई-लिखाई में सुधार हुआ है. उनके इस नेतृत्व का फायदा अब लखनऊ यूनिवर्सिटी को भी मिलेगा. यहां भी वह सुधार और नई पहल कर पाएंगे. उनका यह नेतृत्व यूनिवर्सिटी को नई दिखा देने वाला साबित हो सकता है.जय प्रकाश सैनी को सितंबर 2023 में गोरखपुर के मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का वीसी बनाया गया था. उनका अभी करीब 9 महीने का कार्यकाल बाकी बचा है. इस बीच उनको लखनऊ यूनिवर्सिटी का वीसी नियुक्त कर दिया गया है. फिलहाल मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी के लिए नए वीसी के नाम का ऐलान नहीं किया गया है. माना जा रहा है कि यह कार्यभार फिलहाल प्रो. सैनी ही संभालेंगे.

लखनऊ यूनिवर्सिटी के वीसी प्रो. आलोक राय को जुलाई 2025 में IIM कोलकाता का डायरेक्टर बनाया गया था, तब से ही लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए कुलपति की नियुक्ति प्रक्रिया चल रही थी।

संचालन : निगरानी हेतु स्टेट डाटा मैनेजमेंट सेंटर का संचालन किया जा रहा है

बाल गृहों एवं महिला शरणालयों की निगरानी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । निदेशक महिला कल्याण श्रीमती संदीप कौर ने जानकारी दिया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिला एवं बाल सुरक्षा, संरक्षण तथा संस्थागत व्यवस्थाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला कल्याण विभाग के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण एवं दूरदर्शी पहल की गई है। इसके तहत विभाग द्वारा संचालित बाल गृहों एवं महिला शरणालयों में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी हेतु स्टेट डाटा मैनेजमेंट सेंटर (SDMC) का संचालन महिला कल्याण निगम, बंगला बाजार स्थित भवन में माह अप्रैल 2025 से 24×7 आधार पर किया जा रहा है।

इस व्यवस्था के अंतर्गत महिला

कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रदेश के 60 बाल गृहों एवं 10 महिला शरणालयों, कुल 70 संस्थाओं, में सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिससे इन संस्थाओं में निवासरत बच्चों एवं महिलाओं की सुरक्षा, देख-रेख तथा समग्र व्यवस्थाओं पर निरंतर नजर रखी जा सके।

मुख्यालय स्थित एसडीएमसी में कुल 6 प्रशिक्षित कर्मचारी नियुक्त किए गए हैं, जो 2-2 कर्मियों की 3 शिफ्टों में कार्य करते हुए 24×7 इस केंद्र का संचालन कर रहे हैं। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी समय निगरानी व्यवस्था बाधित न हो और संस्थाओं की गतिविधियों पर लगातार नजर बनी रहे। स्टेट डाटा मैनेजमेंट सेंटर के माध्यम से किसी भी प्रकार की अनियमितता, लापरवाही अथवा मानकों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित अधिकारियों को तत्काल सूचना दी जाती है, जिससे समयबद्ध सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। निदेशक महिला कल्याण

> महिला कल्याण विभाग द्वारा बाल गृहों एवं महिला शरणालयों की निगरानी केन्द्रीय सीसीटीवी व्यवस्था के तहत की जा रही है : श्रीमती संदीप कौर- निदेशक महिला कल्याण

> निगरानी व्यवस्था को अधिक प्रभावी एवं विकेन्द्रित बनाने के उद्देश्य से संबंधित 17 मंडल के सापेक्ष 15 मंडलीय कार्यालय में एवं 31 जनपदों के सापेक्ष 28 जनपदीय कार्यालय में भी मॉनिटरिंग हेतु डिस्प्ले लगाए जा चुके हैं, शेष 2 मंडल कार्यालय यथा चित्रकूट एवं अयोध्या एवं 3 जनपद कार्यालय यथा चित्रकूट, अयोध्या, सहारनपुर में कार्य प्रक्रियाधीन है जो कि 1 सप्ताह के भीतर पूर्ण कर दिया जाएगा।
>
> ताकि मंडल एवं जिला स्तर पर भी अधिकारी संस्थाओं की स्थिति का प्रत्यक्ष अवलोकन कर सकें। इसके साथ ही मुख्यालय स्तर पर अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त स्टेट डाटा मैनेजमेंट सेंटर की स्थापना की गई है, जो पूरे प्रदेश की सभी संस्थाओं की केन्द्रीय निगरानी का कार्य कर रहा है।

श्रीमती संदीप कौर ने बताया कि विभाग की यह पहल न केवल बाल संरक्षण एवं महिला सुरक्षा को मजबूत करती है, बल्कि संस्थागत कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही को भी नई मजबूती प्रदान करती है। यह व्यवस्था प्रदेश में महिला एवं बाल कल्याण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और अनुकरणीय कदम है।

20 जनवरी को विधानसभा पर कर्मचारी डालेंगे डेरा

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने आर पार का लिया निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने आज लखनऊ में 20 जनवरी 2026 को विधानसभा के घेराव की तैयारी की ऑनलाइन समीक्षा किया। उन्होंने अवगत कराया है कि प्रदेश में लगभग 35 लाख कर्मचारी हैं, जिसमें से 70% कर्मचारी आंदोलन के लिए तैयार हैं एवं समर्थन कर रहे हैं ।50% से अधिक कर्मचारियों की विधानसभा घेराव में शामिल होने की सहमति प्राप्त हो चुकी है। आज ऑनलाइन बैठक के बाद संयुक्त परिषद के अध्यक्ष जे एन तिवारी एवं महामंत्री अरुणा शुक्ला ने वरिष्ठ पदाधिकारी से विचार विमर्श करने के बाद प्रदेश में सभी विभागों में कार्यरत संगठनों के अध्यक्ष, महामंत्रियों को पत्र लिखकर 20 जनवरी के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील किया है।

उन्होंने अवगत कराया है कि 2025 का वर्ष कर्मचारियों के लिए निराशा-जनक वर्ष रहा। 2025 में सरकार ने संवेदनहीनता की हदें पार कर दी। पुरानी पेंशन की बहाली ,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की भर्ती पर लगी रोक हटाया जाना, नगर प्रतिकर भत्ता की बहाली, रिक्त पदों पर नियुक्तियां एवं पदोन्नतियां, वेतन विसंगतियां, आउटसोर्स कर्मचारी का न्यूनतम मानदेय लागू किया जाना, संविदा कर्मियों का नियमितीकरण, वर्क चार्ज एवं दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की समस्याओं का निराकरण, पेंशनर्स की समस्याओं का निराकरण, परिवहन निगम का निजीकरण बंद किया जाना, आशा बहुओं का मानदेय निश्चित किया जाना, शिक्षणेत्र कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति पर अवकाश नगदीकरण का लाभ दिया जाना, महानगरीय परिवहन सेवाओं के संविदा कर्मियों का रोजगार संरक्षित किया जाना, आदि ज्वलंत मुद्दे 2025 में उपेक्षित रहे हैं।

- तैयारी की हो रही है समीक्षा
- सभी संगठनों को सम्मिलित होने के लिए भेजा अपील पत्र

392.49 लाख की परियोजना से दो गांवों को मिलना था लाभ, जमीनी स्तर पर काम अधूरा

जल जीवन मिशन की योजना अधूरी

योजना

बृजेन्द्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। जिले की ग्राम पंचायत आमादरवेशपुर में भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना तय समय सीमा में पूरी नहीं हो सकी है। योजना को 18 जनवरी 2024 तक पूरा किया जाना था, लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी कार्य अधूरा है। कागजों में प्रगति दर्शाए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर परियोजना अपने उद्देश्य से काफी पीछे नजर आ रही है।

गांव के भाजपा नेता अनिल कुमार सिंह ने बताया कि योजना के तहत सोलर पैनल तो लगा दिए गए हैं और टंकी का फाउंडेशन भी तैयार कर लिया गया है, लेकिन उसके बाद कार्य आगे नहीं बढ़ा।

निर्धारित समय सीमा में नहीं हुआ कार्य पूर्ण

योजना की स्वीकृति के समय इसे 18 जनवरी 2024 तक पूर्ण किया जाना था, लेकिन समय सीमा समाप्त होने के बावजूद निर्माण कार्य अधूरा है। गांव में न तो पानी की टंकी का निर्माण पूरा हो पाया है और न ही पाइपलाइन बिछाने का कार्य आगे बढ़ सका है। इससे योजना के लाभ से ग्रामीण अब तक वंचित हैं।

तेज बहादुर यादव ने भी टंकी के निर्माण कार्य के अधूरे होने की पुष्टि की। ग्रामीणों का कहना है कि योजना की प्रगति बेहद धीमी है। उनका आरोप है कि विभागीय अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत के चलते कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका। गांव में अब तक नल जल योजना का लाभ नहीं पहुंच पाया है, जिससे ग्रामीणों में असंतोष बना हुआ है। ग्राम पंचायत प्रधान अभिमन्यु मौर्य ने बताया कि उन्हें योजना की वर्तमान स्थिति और शेष कार्य के पूरा होने की संभावित समय सीमा के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि अब तक विभाग की ओर से कोई ठोस सूचना साझा नहीं की गई है।

समय सीमा बीतने के बाद भी कार्य लटका

टंकी का निर्माण अधूरा, सिर्फ फाउंडेशन तैयार

गांव में जल जीवन मिशन के तहत बनने वाली टंकी का कार्य अभी अधूरा है। ग्राम सभा प्रधान अभिमन्यु मौर्य के अनुसार टंकी का निर्माण अब तक पूरा नहीं हुआ है। पंकज शेखर ने बताया कि मौके पर केवल टंकी का फाउंडेशन बना हुआ है, आगे का निर्माण कार्य नहीं हुआ।

'आमादरवेशपुर पेयजल योजना' पर 392.49 लाख की लागत

जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित 'आमादरवेशपुर पेयजल योजना' की अनुमानित लागत 392.49 लाख रुपये है। इस परियोजना के माध्यम से दो गांवों में हर घर नल से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जानी थी। योजना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना और जल सुरक्षा को मजबूत करना है।

कुर्की बाजार में 80 छात्राओं को वितरित किए स्किलिंग सर्टिफिकेट

- विवेक मौर्य ने प्रशिक्षित युवाओं को उज्जवल भविष्य और आत्मनिर्भर भारत की भूमिका की दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कुर्की बाजार स्थित जय एंड जय ब्रदर्स एजुकेशनल हब में नारायण फाउंडेशन के संरक्षक और भाजपा नेता विवेक मौर्य ने प्रशिक्षित 80 छात्राओं को स्किलिंग सर्टिफिकेट वितरित किए। कार्यक्रम का आयोजन सेंटर हेड जयचंद राजभर के आमंत्रण पर किया गया। यह प्रशिक्षण भारत सरकार के समर्थ सिलाई मशीन ऑपरेटर (SMO) ट्रेनिंग प्रोग्राम और CCC कोर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में कुल 65 छात्राओं को SMO सिलाई मशीन ऑपरेटर प्रशिक्षण का प्रमाणपत्र और 15 छात्राओं को CCC कंप्यूटर कोर्स का प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। सर्टिफिकेट वितरण के दौरान विवेक मौर्य ने कहा कि टियर 2 और टियर 3 शहरों में इस प्रकार के स्किल सेंटर युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का बड़ा माध्यम बन रहे हैं। संस्थान के संचालक जयचंद राजभर ने कहा कि उनका प्रयास है कि क्षेत्र के अधिक से अधिक युवा रोजगार और स्वरोजगार के माध्यम से जिले, प्रदेश और देश की तरक्की में योगदान दें। उन्होंने कहा कि विवेक मौर्य ने संस्थान की छात्राओं का मनोबल बढ़ाया और उनका मार्गदर्शन किया। उन्होंने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में विवेक मौर्य के कार्य को प्रशंसनीय और अभिनंदनीय बताया।

युवाओं को आत्मनिर्भर भारत बनाने में भूमिका

विवेक मौर्य ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार और प्रदेश की योगी सरकार युवाओं को आगे बढ़ने के कई अवसर प्रदान कर रही हैं। ऐसे स्किल सेंटर से प्रशिक्षित युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत लक्ष्य को हासिल करने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएंगे। उन्होंने जयचंद राजभर का भी आभार व्यक्त किया कि वे अकबरपुर के युवाओं को मार्केट की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित कर रोजगार और प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध करा रहे हैं।

जलालपुर ब्लॉक में कृषि सूचना तंत्र और किसान जागरूकता कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर ब्लॉक परिसर में शनिवार को कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को कृषि से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं, आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक तरीकों की जानकारी उपलब्ध कराना था।

कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. राम जीत ने किसानों को फसल अवशेष जलाने के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सही तरीके से फसल अवशेषों का प्रबंधन करने से मिट्टी की उर्वरता बढ़ती है और पर्यावरण सुरक्षित रहता है। इसके साथ ही आलू की फसल को पाले से बचाने के लिए विभिन्न दवाओं और उपचार के तरीकों पर भी वैज्ञानिकों ने जानकारी दी। संतोष कुमार सिंह ने प्राकृतिक खेती और जैविक विधियों के विषय में विस्तार से

- किसानों को दी गई फसल, जैविक खेती और पशुपालन की वैज्ञानिक जानकारी

जानकारी दी। उन्होंने नीम अस्त्र, पंचगव्य और बीजामृत जैसे जैविक घोलों के उपयोग और विधियों का विवरण प्रस्तुत किया। इसके अलावा गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण के वैज्ञानिक उपायों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में पशुपालन से जुड़े किसानों को पशुओं के टीकाकरण, प्रमुख बीमारियों और उनके बचाव के तरीकों की जानकारी दी गई। इससे किसानों को पशुपालन में होने वाले नुकसान से बचने और उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

18 से 20 जनवरी तक आयोजित होगा महोत्सव, व्यवस्थाओं को लेकर दिए गए निर्देश

श्रवण धाम महोत्सव 2026 की तैयारियों का निरीक्षण

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रवण क्षेत्र धाम में प्रस्तावित श्रवण धाम महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियां तेज हो गई हैं। महोत्सव से पहले मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्सना बंधु, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रंजीत सिंह, परियोजना अधिकारी डीआरडीए अनिल कुमार सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ महोत्सव स्थल का स्थलीय निरीक्षण किया और तैयारियों की स्थिति का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि महोत्सव का आयोजन सुव्यवस्थित और सकुशल ढंग से किया जाए।

विभागों को आपसी समन्वय से कार्य करने की हिदायत

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के साथ अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही महोत्सव की व्यवस्था को प्रभावित कर सकती है, इसलिए प्रत्येक विभाग को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने कार्य पूरे करने होंगे। साथ ही तैयारियों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश भी दिए गए।

उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के आगमन को ध्यान में रखते हुए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी की जाएं, ताकि किसी भी स्तर पर अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने विशेष रूप से स्वच्छता, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्य मंच की रूपरेखा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन, विभागीय स्टॉलों की संख्या और उनकी स्थिति पर भी चर्चा की। महोत्सव के दौरान सरकारी

महोत्सव स्थल पर व्यवस्थाओं की हुई समीक्षा

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने महोत्सव स्थल पर प्रस्तावित मुख्य मंच की स्थिति, विभिन्न विभागों द्वारा लगाए जाने वाले स्टॉल, टेंट और पंडाल व्यवस्था, श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था का निरीक्षण किया। इसके साथ ही आवागमन व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, स्वच्छता, सुरक्षा प्रबंध और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समीक्षा की गई।

योजनाओं और विभागीय गतिविधियों से संबंधित स्टॉल लगाए जाने हैं, जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी मिल सके। मंच से होने वाले कार्यक्रमों के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रकाश व्यवस्था को लेकर भी निर्देश दिए गए।

हंसवर में महिला की संदिग्ध मौत, कमरे में मिला शव

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के नईकी बस्ती में शुक्रवार शाम एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले को लेकर मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर आरोप लगाए हैं, जबकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हंसवर की नईकी बस्ती निवासी सुमन देवी, पत्नी दिनेश, उम्र लगभग 35 वर्ष, शुक्रवार की शाम करीब चार बजे अपने कमरे में मृत अवस्था में पाई गईं। उस समय घर पर कोई अन्य मौजूद नहीं था। बताया गया कि महिला की मौत की जानकारी तब हुई जब पति काम से लौटकर घर पहुंचा। मृतका के पति दिनेश मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करता है। परिजनों के अनुसार,

- शुक्रवार शाम की घटना, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शुक्रवार को वह किसी काम से अकबरपुर गया हुआ था। जब वह वापस लौटा और कमरे में पहुंचा तो पत्नी को अचेत अवस्था में पाया। इसके बाद आसपास के लोगों की मदद से महिला को नीचे उतारा गया और स्थानीय डॉक्टर को बुलाया गया। स्थानीय डॉक्टर द्वारा जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद पति ने मामले की सूचना मायके पक्ष को दी। सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी मौके पर पहुंचे। मृतका का मायका जहगीरगंज थाना क्षेत्र के सूतहरपारा गांव में बताया जा रहा है।

स्व. सूर्यपाल वर्मा मेमोरियल राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट में रोमांचक मुकाबला

आजमगढ़ ने सैफई को 66 रनों से हराकर दिखाया दम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । जिले में आयोजित स्व. सूर्यपाल वर्मा मेमोरियल राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन शनिवार को आजमगढ़ और सैफई की टीमों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला। आजमगढ़ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 140 रन बनाए और सैफई की टीम को 66 रनों से मात दी। दोपहर 11 बजे जिला मुख्यालय, अयोध्या रोड स्थित मैदान में टूर्नामेंट का उद्घाटन हुआ। जय हीरो ऑटो सेल्स के मालिक रवि भद्र सिंह ने स्व. सूर्यपाल वर्मा, स्व. घनश्याम गुप्ता, स्व. प्रभाष चन्द्र श्रीवास्तव और स्वर्गीय इं. अंशुमान मिश्रा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर

अंपायरिंग और कमेंट्री

खेल का संचालन उच्च स्तर पर हुआ। अनुराग उपाध्याय और सुधीर चतुर्वेदी ने अंपायरिंग की, जबकि अजय श्रीवास्तव, विक्रम सिंह और डॉ. एस. एम. बाकिर ने कमेंट्री की। स्कोरर की भूमिका आनंद सिंह और सत्यम यादव ने निभाई।

खिलाड़ियों का परिचय लिया। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल के महत्व और शारीरिक व मानसिक फिटनेस पर जोर देते हुए टूर्नामेंट का शुभारंभ किया।

आजमगढ़ की टीम का प्रदर्शन

आजमगढ़ की कप्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। पूरी टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 140 रन बनाए। सौरभ कुमार ने अपने प्रदर्शन से टीम को मजबूती दी।

सैफई की टीम 141 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 13.1 ओवर में 74 रन पर आउट हो गई। सैफई की तरफ से अंशुमान ने 21 और जन्मजेय ने 14 रन बनाए। श्रेष्ठ ने 12 रनों का योगदान दिया।

आजमगढ़ की गेंदबाजी में सौरभ कुमार ने 5, अश्विनी और जयप्रकाश ने क्रमशः 2-2 विकेट लिए। सौरभ मौर्य ने एक विकेट हासिल किया। टीम के सभी खिलाड़ी ने समर्पित और रणनीतिक खेल दिखाया, जिससे जीत सुनिश्चित हुई।

अम्बेडकरनगर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ललित मोहन, सचिव राकेश सोनकर समेत संजय श्रीवास्तव, प्रेम नारायण तिवारी, संतोष मिश्रा ₹टुन्नू₹, शिव प्रसाद मिश्र ₹आचार्य₹, राजन शुक्ला, पिंकू यादव, पिंकू काबरा, जंग बहादुर सिंह और जयराम सांगवानी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ग्रामीण और शैक्षिक क्षेत्रों में सुरक्षा नियमों का प्रचार-प्रसार

01 से 31 जनवरी तक प्रदेश में राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुरूप राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तीसरे दिन शनिवार को अम्बेडकरनगर जिले में ग्रामीण और शैक्षिक क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के महत्व को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न जगहों पर सड़क सुरक्षा के नियमों का प्रचार-प्रसार किया गया। अभियान के दौरान पम्पलेट वितरण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर स्थानीय लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्रामीणों को सड़क पर सुरक्षित व्यवहार और वाहन चालकों की जिम्मेदारी के प्रति सचेत किया गया।

कार्यशाला के दौरान सभी चालकों

और परिचालकों को पम्पलेट वितरित किए गए और उन्हें सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। इससे स्कूली वाहन संचालन में सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित किया गया।

सड़क सुरक्षा माह के तीसरे दिन की कार्रवाई में 12 वाहनों का चालान किया गया। कार्यक्रम में प्राविधिक निरीक्षक रंजीत सिंह ने स्कूल प्रबंधन को निर्देश दिए कि सभी वाहनों का संचालन केवल फिटनेस नवीनीकरण और नई गाइडलाइन के अनुसार किया जाए।

स्कूल वाहनों के लिए विशेष कार्यशाला

स्कूली बच्चों को सुरक्षित परिवहन प्रदान करने के उद्देश्य से तक्षशिला एकेडमी में स्कूल वाहन चालकों और परिचालकों के लिए विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने यातायात नियमों पर प्रकाश डालते हुए चालकों और परिचालकों से नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने स्कूल प्रबंधन से अपेक्षा जताई कि सभी स्कूल वाहनों को नई गाइडलाइन के अनुसार तैयार कराया जाए। स्कूल वाहन केवल तभी संचालित होंगे जब उनकी फिटनेस नवीनीकरण कराई गई हो और किराया शासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार तय कर कार्यालय में उपलब्ध कराया गया हो।

माघ मेला 2026 के मद्देनजर सुरक्षा एवं भीड़ प्रबंधन की पूरी तैयारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। प्रयागराज में आयोजित होने वाले माघ मेला के दृष्टिगत जनपद अम्बेडकरनगर के प्रमुख घाटों पर सुरक्षा और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारी की जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण और भीड़ प्रबंधन को लेकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार ने कहा कि घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए चिन्हित स्थलों पर होल्डिंग एरिया बनाए जाएंगे। इन होल्डिंग एरिया में श्रद्धालुओं को व्यवस्थित किया जाएगा ताकि भीड़ नियंत्रण आसान हो और किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और लगातार पेट्रोलिंग सुनिश्चित की जाएगी।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया

- अपर पुलिस अधीक्षक हरेन्द्र कुमार ने दिए विस्तृत निर्देश

कि घाटों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। यह कदम भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा सुनिश्चित करने और किसी भी असामान्य गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई करने में मदद करेगा। इसके साथ ही तकनीकी साधनों के माध्यम से यातायात की स्थिति और भीड़ का रियल टाइम आंकलन किया जाएगा। हरेन्द्र कुमार ने कहा कि माघ मेला के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक मार्गों पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाएगी।

आवेदन : निर्माण श्रमिकों व पात्र निराश्रित बच्चों को मिलेगा अवसर

अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अंतर्गत संचालित अटल आवासीय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। चयन परीक्षा के माध्यम से कक्षा 06 और कक्षा 09 में योग्य अभ्यर्थियों का प्रवेश किया जाएगा। इसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अटल आवासीय विद्यालय में प्रवेश उन बच्चों को दिया जाएगा, जिनके माता-पिता उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड में पंजीकृत निर्माण

श्रमिक हैं और जिन्होंने पंजीकरण के उपरान्त 30 नवम्बर 2025 तक न्यूनतम तीन वर्ष की सदस्यता अवधि पूर्ण कर ली हो। इसके अतिरिक्त कोविड-19 महामारी के दौरान निराश्रित हुए वे बच्चे, जो महिला एवं बाल कल्याण विभाग में पंजीकृत हैं, तथा मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के अंतर्गत पात्र बच्चे भी प्रवेश के लिए योग्य माने जाएंगे। अटल आवासीय विद्यालय मंडल स्तर पर जनपद अयोध्या की रूदौली तहसील अंतर्गत ग्राम अमराई में स्थित है।

प्रवेश परीक्षा का स्वरूप तय

प्रवेश परीक्षा का स्वरूप भी स्पष्ट कर दिया गया है। कक्षा 06 के लिए मानसिक क्षमता परीक्षण, अंकगणित परीक्षण और भाषा परीक्षण आयोजित किया जाएगा। वहीं कक्षा 09 के लिए अंग्रेजी, हिन्दी, गणित और विज्ञान विषयों की परीक्षा आयोजित होगी। परीक्षा का आयोजन 22 फरवरी 2026, रविवार को जनपद के निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर किया जाएगा।

प्रवेश प्रक्रिया में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और दिव्यांग श्रेणी के पात्र अभ्यर्थियों को शासन के प्रचलित नियमों के अनुसार आरक्षण की सुविधा दी जाएगी। दिव्यांग बच्चों के लिए राज्य सरकार द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप आरक्षण का प्रावधान लागू रहेगा।

आवेदन की तिथि और माध्यम

प्रवेश के लिए आवेदन 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक स्वीकार किए जाएंगे। इच्छुक और पात्र अभ्यर्थी ऑनलाइन अथवा ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की वेबसाइट upbocw.in अथवा अटल आवासीय विद्यालय की वेबसाइट avs.upsdc.gov.in के माध्यम से किया जा सकता है।

लापता हिमांशू के लिए कांग्रेस का धरना जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के आलापुर तहसील के सरफुद्दीनपुर निवासी हिमांशू उर्फ अमन विश्वकर्मा पुत्र सूर्यभान विश्वकर्मा 21 नवम्बर की शाम से लापता हैं। घटना के 44 दिन बीत जाने के बाद भी हिमांशू का कोई सुराग नहीं मिला है। इस मामले को लेकर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव मो अनीश खान ने कहा कि लापता युवक के मिलने तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। हिमांशू के परिजन 8 दिसम्बर से न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। मो अनीश खान ने बताया कि धरना स्थल पर कांग्रेसजन हिमांशू के सुरक्षित मिलने और न्याय दिलाए जाने की मांग लगातार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के निर्देश पर कांग्रेसजन धरना प्रदर्शन में भाग ले रहे हैं।

धरना स्थल पर पूर्व जिला अध्यक्ष सै मेराजुद्दीन किछौछवी,

- 44 दिन से अंधेरे में, न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठे कांग्रेसजन

राम कुमार पाल, सुनील मिश्र, पूर्व प्रदेश सचिव अमित जायसवाल, जिला उपाध्यक्ष गुलाम रसूल ₹छोटू₹, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष हेमंत यादव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अकबरपुर आदित्य नारायण तिवारी ₹बंटी₹, विश्वभान मिश्र ₹मस्सू₹ और युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष कटेहरी मो सोयेब अनीश खान मौजूद थे। सभी नेताओं ने कहा कि लापता हिमांशू के मामले में प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए।

सम्पादकीय

सामाजिक सुरक्षा का सवाल, गिग वर्करों की मांगों पर हो विचार

यह ठीक है कि खाने-पीने की सामग्री के साथ अन्य सामान की डिलीवरी करने वाले अस्थायी कामगारों यानी गिग वर्करों की ओर देश का ध्यान गया, लेकिन ऐसा तब हो पाया, जब विपरीत परिस्थितियों में काम करने वाले इन लोगों को हड़ताल करनी पड़ी। गिग वर्करों की मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार होना चाहिए, क्योंकि उनकी कार्यदशाएं काफी कठोर हैं।

आज जब क्विक कामर्स और फूड डिलीवरी कंपनियों का कारोबार बढ़ता जा रहा है, तब उनके लिए काम की बेहतर दशाएं सुनिश्चित की ही जानी चाहिए। यह संतोषजनक तो है कि केंद्र सरकार गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा का एक प्रस्ताव लेकर आई है, लेकिन बात तब बनेगी, जब इस प्रस्ताव के प्रविधानों को सही तरह लागू करने में सफलता मिलेगी। गिग वर्करों की समस्या यह है कि वे जिन कंपनियों के लिए काम करते हैं, उनके वे कर्मचारी नहीं माने जाते।

उनके काम के घंटे भी तय नहीं हैं। वे जितने समय काम करते हैं, उतने ही वक्त का उन्हें पैसा मिलता है। उन्हें कभी भी काम से हटाया जा सकता है। चूंकि उनकी स्थिति असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों जैसी है, इसलिए उनकी कार्यदशाओं पर किसी का ध्यान नहीं है। यदि उनके साथ कुछ अनहोनी जाए तो संबंधित कंपनी की जवाबदेही नहीं होती। यह समझा जाना चाहिए कि गिग वर्कर आधारित उद्योग बेहतर नियमन की मांग कर रहा है।

गिग वर्करों की समस्याएं इसलिए और बढ़ गई हैं, क्योंकि दस मिनट में भी सामान की डिलीवरी करने का चलन जोर पकड़ गया है। इस चलन पर फिर से विचार होना चाहिए, क्योंकि इससे गिग वर्करों के साथ दुर्घटनाएं होने का जोखिम बढ़ गया है। कई बार गिग वर्कर शीघ्र सामान पहुंचाने के फेर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते दिखते हैं। निःसंदेह गिग वर्कर बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें मिलने वाले मेहनताने को आकर्षक नहीं कहा जा सकता।

नीति आयोग के अनुसार 2020-21 में जो गिग वर्कर 77 लाख के करीब थे, उनकी संख्या 2029-30 तक 2.35 करोड़ हो जाएगी। ऐसे में सरकार के साथ उन कंपनियों को भी उनकी सुधि लेनी होगी, जिनके लिए वे काम करते हैं। उन्हें केवल सामाजिक सुरक्षा के ही दायरे में नहीं लाया जाना चाहिए, बल्कि ऐसे उपाय भी किए जाने चाहिए, जिससे उनका शोषण न हो सके और वे अपने भरणपोषण लायक आय अर्जित कर सकें।

अब जब यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में गिग वर्करों की संख्या बढ़ती ही जानी है, तब इस पर भी ध्यान दिया जाए कि सामान की डिलीवरी के लिए बैट्री चालित दोपहिया वाहनों का ही उपयोग हो। यह भी समय की मांग है कि गिग वर्करों के साथ असंगठित क्षेत्र के अन्य सभी कामगारों के हित की भी चिंता की जाए। यह ठीक नहीं कि लाखों अस्थायी कामगार सामाजिक सुरक्षा के दायरे से बाहर हैं।

इन्दौर की जल-त्रासदी और प्रशासनिक लापरवाही का नंगा चेहरा

66

सबसे अधिक पीड़ादायक तथ्य यह है कि यह सब अचानक नहीं हुआ। नागरिकों ने पहले ही दूषित पानी की शिकायतें की थीं। पानी के रंग, गंध और स्वाद में बदलाव की जानकारी दी गई थी, लेकिन नगर निगम, जलप्रदाय विभाग और स्वास्थ्य तंत्र कुंभकर्णी नींद में सोए रहे।

स्वच्छता रैंकिंग में लगातार टॉप पर आने वाले इंदौर में दूषित पेयजल की वजह से हुई मौतें कथनी और करनी की असमानता की पौल खोलती भयावह लापरवाही का नतीजा हैं। स्थानीय लोगों का यह आरोप बेहद गंभीर है कि पानी की क्वॉलिटी को लेकर लगातार शिकायत के बाद भी कार्रवाई नहीं की गई और दुर्भाग्य से इतनी बड़ी वारदात के बाद भी अदालत को दखल देकर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करने का आदेश देना पड़ रहा है। यह केवल एक दुर्घटना नहीं है और न ही इसे तकनीकी खामी कहकर टाला जा सकता है। यह घटना उस व्यवस्था का क्रूर और नंगा सच है, जो स्वच्छता के तमगों से सजी हुई है लेकिन भीतर से सड़ चुकी है। जिस शहर को लगातार सात वर्षों तक देश का सबसे स्वच्छ शहर घोषित किया जाता रहा, वहीं दूषित पेयजल के कारण पंद्रह निर्दोष लोगों की मौत हो जाना पूरे तंत्र पर एक गहरा प्रश्नचिह्न है। यह त्रासदी साबित करती है कि चमकदार रैंकिंग और पुरस्कार जीवन की वास्तविक सुरक्षा का विकल्प नहीं हो सकते। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर का पानी मिल गया, जिससे हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। सौ से अधिक लोग अस्पताल में भर्ती हुए, सैकड़ों बीमार पड़े और अनेक परिवार हमेशा के लिए उजड़ गए। सभ्य समाज में यह कल्पना ही आत्मग्लानि से भर देने वाली है कि जिस पानी को जीवनदायिनी मानकर पिया गया, वही सीवर की गंदगी से मिला हुआ था। प्रशासन तब हरकत में आया जब मौतें हो चुकी थीं। यह लापरवाही नहीं, बल्कि गहरी संस्थागत असंवेदनशीलता, क्रूरता एवं अमानवीयता है। यह उस प्रशासनिक संस्कृति का परिणाम है जिसमें फाइलें और औपचारिकताएं मानव जीवन से अधिक मूल्यवान हो गई हैं। सवाल यह नहीं है कि पानी में सीवर कैसे मिला, असली सवाल यह है कि चेतावनियों के बावजूद इसे रोका क्यों नहीं गया? हर बार की तरह इस बार भी जांच समितियां बनीं, मुआवजे की घोषणाएं हुईं और कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया। भले ही अपर नगर आयुक्त को इंदौर से हटा दिया है और प्रभारी अधीक्षण अभियंता से जिम्मेदारी वापस ले ली है। लेकिन, क्या इतना काफी है? इस तरह की 'रूटीन' कार्रवाई जिम्मेदारों को सबक नहीं देतीं, बल्कि पीड़ितों का मजाक बनाती हैं। क्या इन दिखावे की कार्रवाइयों से मृतकों का प्रायश्चित हो गया? क्या इससे भविष्य में ऐसी घटनाएं रुकेंगी? सच्चाई यह है कि जांच समितियां अब जवाबदेही तय करने का नहीं, बल्कि मामले को ठंडा करने का माध्यम बन चुकी हैं। इस दुखद घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी ने लोगों के घावों को और गहरा किया। जिस क्षेत्र में यह त्रासदी घटी, उसके प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का विभाग आता है, उनकी असंवेदनशील टिप्पणियों ने जनता के आक्रोश को बढ़ाया। बाद में खेद प्रकट किया गया, लेकिन सवाल यह है कि खेद से क्या उन परिवारों का भविष्य सुरक्षित हो जाएगा, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया? यह सही है कि उमा भारती जैसी वरिष्ठ नेत्री ने दोषियों से प्रायश्चित और दंड की मांग की, लेकिन देश का अनुभव बताता है कि ऐसी मांगें अक्सर समय के साथ फीकी पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में डबल इंजन वाली सरकार का खूब प्रचार किया जाता है, लेकिन इंदौर की घटना ने दिखा दिया कि यदि व्यवस्था की पटरियां जर्जर हों, तो इंजन कितने भी हों, दुर्घटना तय है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण की बात कही थी और जीवन को सुगम बनाने के लिए प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने पर जोर दिया था। लेकिन जब नागरिकों को स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा, स्वस्थ चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं ही सुरक्षित रूप से उपलब्ध न हों, तो जीवनयापन को सुगम बनाने की बात खोखली लगती है। सर्वोच्च न्यायालय बार-बार स्पष्ट कर चुका है कि स्वच्छ पर्यावरण और सुरक्षित जल का अधिकार संविधान के अनुच्छेद-21 के तहत जीवन के मौलिक अधिकार का हिस्सा है। इंदौर की यह त्रासदी इस अधिकार का खुला उल्लंघन है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर पानी में जहरीला पदार्थ मिलाए और उससे लोगों की मौत हो जाए, तो वह गंभीर अपराध माना जाता है। फिर जब प्रशासन की लापरवाही से जहरीला पानी घर-घर पहुंचता है और लोगों की जान जाती है, तो उसे अपराध क्यों नहीं माना जाए? यह गैर-इरादतन हत्या से कम गंभीर मामला नहीं है।

इंदौर की घटना यह भी उजागर करती है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और चमकदार प्रचार व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। सड़कें साफ हो सकती हैं, दीवारें रंगी जा सकती हैं, लेकिन यदि पाइपलाइनों के भीतर जहर बह रहा है, तो ऐसा विकास जनता के साथ छल है। यह समस्या केवल इंदौर तक सीमित नहीं है। देश के अनेक छोटे-बड़े शहरों में जर्जर पाइपलाइनें, अवैज्ञानिक सीवर व्यवस्था और भ्रष्ट ठेकेदारी तंत्र वर्षों से नागरिकों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। कहीं हैजा फैलता है, कहीं पीलिया, कहीं दस्त और संक्रमण, लेकिन हर बार इसे स्थानीय समस्या कहकर टाल दिया जाता है। अब सवाल यह है कि क्या इंदौर की पंद्रह मौतें भी प्रशासन को जगाने के लिए पर्याप्त नहीं हैं? क्यों नहीं ऐसी घटनाओं को आधार बनाकर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई का बुलडोजर चलाया जाता? आज जब अवैध निर्माणों और गरीब बस्तियों पर बुलडोजर चल सकता है, तो प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं? क्यों उन अधिकारियों पर आपराधिक मुकदमे दर्ज नहीं होते, जिनकी अनदेखी से लोगों की जान चली जाती है? क्यों सेवा से बर्खास्तगी और जेल की सजा जैसे कठोर कदम नहीं उठाए जाते? यह घटना पूरे देश के लिए चेतावनी है। सभी राज्यों और स्थानीय निकायों को पेयजल आपूर्ति व्यवस्था का गंभीरता से ऑडिट करना चाहिए।

ललित गर्ग

यदि बांग्लादेश के इतिहास ...

घनश्याम बादल

आ रही गहरे षड्यंत्र की बू-आखिर चाहते क्या हैं मोहम्मद यूनुस ?

दीपू चंद्र दास और खोखनचंद्र दास के बाद एक और हिंदू सुरक्षा कर्मचारी अमृत मंडल की बांग्लादेश में हत्या कर दी गई है । अभी तक वहां अल्पसंख्यक हिंदू केवल तात्कालिक ख़तरा महसूस कर रहे थे लेकिन अब एक भय का माहौल उनके बीच पसरता दिखाई दे रहा है । छात्र नेता उस्मान हादी की हत्या के बाद बांग्लादेश किस मुहाने पर खड़ा दिखाई दे रहा है वह एक बहुत बड़ा और खतरनाक संकेत है।

जिस तरह 2024 में अगस्त में युवा छात्र की आंदोलन के चलते हुए स्थितियां इतनी बिगड़ी कि वहां की सरकार को इस्तीफा देना पड़ा और तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद को भारत में शरण लेनी पड़ी, वह कुछ-कुछ बाद में नेपाल में हुए जैन जी आंदोलन का ही एक पूर्वांक यानी प्रीक्वेल दिखाई पड़ता है ।

शेख हसीना की सरकार के पतन के बाद वहां की सत्ता प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं ग्रामीण बैंक के संस्थापक तथा शांति के नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस इस उम्मीद के साथ अल्पकाल के लिए सौंपी गई थी कि वे वहां पर न केवल शांति स्थापित करेंगे अपितु अव्यस्था की ओर बढ़ रहे बांग्लादेश को फिर से पटरी पर लाकर वहां लोकतंत्र की परिपाटी को मजबूत करेंगे लेकिन हाल फिलहाल तो ऐसा होता दिखाई

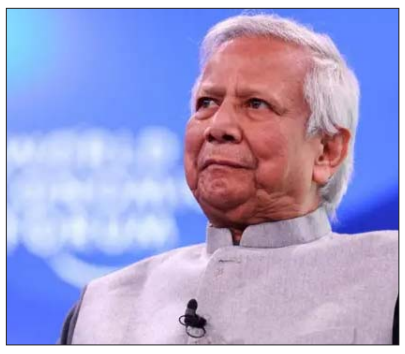

नहीं दे रहा है। यदि बांग्लादेश के इतिहास पर नज़र डाली जाए तो पता चलेगा कि वहां लोकतंत्र कभी भी लंबे समय तक एवं मजबूती से नहीं टिका है । 1971 में आजाद होने के बाद शेख मुजीबुर्रहमान ने पहले वहां के राष्ट्रपति एवं बाद प्रधानमंत्री के पद संभाले, तब लगा था कि पाकिस्तानी अत्याचारों से मुक्ति के बाद बांग्लादेश अब लोकतंत्र की स्वस्थ शासन में फले फूलेगा लेकिन केवल 4 साल बाद ही 1975 में एक सैनिक षड्यंत्र के तहत शेख मुजीबुर्रहमान की सपरिवार हत्या कर दी गई. केवल उनकी दो बेटियां जिनमें एक शेख हसीना है, इसलिए बच गई कि वे वहां नहीं थी।

उसके बाद एक अल्पकालीन सरकार खोंडकर मुश्ताक के नेतृत्व में बनी. उसका पतन भी एक सैन्यतख्ता पलट में मेजर जनरल जियाउर्रहमान के नेतृत्व में हुआ और 1981 में चटगांव दौरे के दौरान मार डाले गए । एक बार फिर अल्पकालिक सरकारों के बाद सत्ता पर लेफ्टिनेंट जनरल इरशाद ने कब्जा किया और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाने के लिए बांग्लादेश को इस्लामिक कट्टरता की ओर धकेल दिया लेकिन दो शत्रु राजनीतिज्ञ खालिदा जिया और शेख हसीना आपस में मिल गए और इरशाद को भी 1990 में सत्ता गंवानी पड़ी।

इरशाद के पतन के बाद बांग्लादेश में लोकतंत्र का एक लंबा दौर चला और वहां पर सत्ता खालिदा जिया और शेख हसीना के बीच बदलती बदलती रही। 80 साल की उम्र में 28 दिसंबर 2025 को अपनी जीवन लीला पूरी करने वाली खालिदा जिया 10 साल 1991 से 1996 और 2001 से 2006 तक प्रधानमंत्री रहीं जबकि शेख मुजीबुर रहमान की बेटी शेख हसीना 1996 से 2001 तक और उसके बाद थोड़ी उथल-पुथल के साथ 2009 से 2024 तक बांग्लादेश की सबसे सशक्त नेता बनकर उभरीं । उनकी इस ताकत के पीछे जहां उनके पिता का प्रभामंडल था, वहीं उनका भारत के प्रति झुकाव और भारत का उनके प्रति समर्थन भी एक प्रमुख कारक था लेकिन अगस्त 2024 में उनकी सरकार का भी तख्तापलट हुआ और तब से अब तक बांग्लादेश लोकतंत्र और शांति की प्रतीक्षा में है।

मोहम्मद यूनुस ने वादा किया हुआ है कि मार्च 2026 तक में चुनाव करके एक लोकतांत्रिक ढंग से चुने हुए सरकार को सत्ता सौंप कर एक तरफ हो जाएंगे और वह समय अब करीब करीब आ गया है लेकिन इस बीच मोहम्मद यूनुस की नीति और नीयत दोनों पर ही शक भी उभर रहा है। खालिदा जिया की मृत्यु एवं तारीक रहमान की बांग्लादेश वापसी के बाद राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि यह सारा खेल यूनुस के ही इशारों पर खेला जा रहा है ताकि चुनाव को टाला जा सके एवं सत्ता पर खुद या अपने खास मोहरों को बैठाया जा सके। शेख हसीना हसीना को बांग्लादेश के न्यायालय द्वारा फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी वतन वापसी अभी तो असंभव सी हो गई है।

सूचना की...

डॉ विनोद बब्बर

व्यसन बनते सोशल मीडिया को सकारात्मक दिशा कब

सोशल मीडिया आज की आवश्यकता है या विवशता, शौक है या व्यसन, ज्ञान के विस्तार का माध्यम है या ठगी का जाल, व्यापार का उन्नायक है या सामाजिक गतिविधियों का काल, समाज में अशान्ति उत्पन्न करने का माध्यम है या सूचना की तीव्रतम विस्तार का प्लेटफार्म, इन या ऐसी ही तमाम बातों पर मतभेद हो सकते हैं लेकिन इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सोशल मीडिया ने हमारे जीवन का अंग बन चुका है। यह कम आश्चर्य की बात नहीं कि 2004 में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के एक छात्र मार्क जुकरबर्ग ने अपने साथी छात्रों के साथ जुड़ने के लिए जिस फेसबुक का निर्माण किया था वह आज पूरे विश्व को जोड़ने का कार्य कर रहा है।

आज सोशल मीडिया के प्रति दीवानगी का आलम यह है कि लगभग प्रत्येक व्यक्ति इससे जुड़ा है। सुबह के अभिवादन से शुरु होकर अपने हर सामाजिक (सोशल) दायित्व का निर्वहन सोशल मीडिया पर ही किया जाता है। अपने परिवेश की हर घटना-दुर्घटना की जानकारी सबसे पहले सोशल मीडिया पर डालने का चलन इतना बढ़ गया कि कुछ लोग व्यसनी प्रतीत होने लगते हैं।

दिसंबर 2012 में भारत में आरंभ हुए सोशल मीडिया ने बहुत तेजी से अपनी पकड़ बनाई। आज समाज के हर क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया का भरपूर दोहन करने में राजनीति से व्यापार तक, विज्ञापन से ठगी का जाल फैलाने पर भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ आन्दोलन को इसी सोशल मीडिया ने हवा की तरह फैला दिया था। लेकिन भेष बदलकर (नकली आईडी से) भ्रष्ट आचरण (कामुक जाल, ठगी, ब्लैकमैलिंग आदि) करने वाले भी इसी सोशल मीडिया पर खूब फलफूल रहे है। नाबालिंग बच्चों तक के फेसबुक एकाउन्ट है। मस्ती से ज्ञान और व्यापार तक क्या नहीं है इस सोशल मीडिया में।

सोशल मीडिया पर आमतौर पर यह आरोप लगाया जाता है कि इसने समाज को अपनी मजबूत गिरफ्त में ले लिया है। आज घर से सार्वजनिक स्थान, बस से ट्रेन और मेट्रो, पार्क से प्लेटफार्म, विश्वविद्यालय से स्टेडियम तक मोबाइल पर आंखे गढ़ाये स्थितप्रज्ञों के समूह देखे जा सकते है। एक टांग पर खड़ा होने वाला बगुला भी इन स्थितप्रज्ञों के समक्ष नतमस्तक होने के अतिरिक्त कुछ नहीं कर सकता। घर में परिवार के सदस्यों का आपसी संवाद व्हाट्सएप के माध्यम से होने लगे तो माना जा सकता है कि पुराने परंपरागत नशे से भिन्न सोशल मीडिया का नशा कम घातक नहीं है। इसने युवा पीढ़ी को कला, साहित्य जैसे संस्कृति के विभिन्न आयामों से विमुख कर दिया है। प्रथम दृष्टया यह आरोप सही प्रतीत होता है।

मुक्ति का मार्ग श्रीराम

भगवान श्रीराम भारतीय जनमानस में समग्र चेतना का रूप हैं। श्रीराम नाम के साथ एक मंत्र है, जो सभी को पार उतार देता है। श्रीराम एकत्व और समूह सभी का स्वरूप हैं। हमारे साथ श्रीराम हैं और श्रीराम के साथ हम हैं अर्थात हम में श्रीराम हैं और श्रीराम में हम हैं। सिय राम मय सब जग जानी। श्रीराम हर एक वस्तु में हैं. चारों ओर देखे तो हर दिशा और लोक में श्रीराम के ही दर्शन होते हैं। श्रीराम सकल संसार के तारण हार हैं। श्रीराम नाम जिसने भी गाया-सुना है, वह पार उतर गया है।

श्रीराम भजन सुमिरन जितना किया जाए, उतना ही कम लगता है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य, दिव्य, अलौकिक श्रीराम मंदिर का निर्माण लगभग 500 वर्ष बाद हुआ है। श्रीराम मंदिर एक मंदिर होने के साथ-साथ त्रेतायुग से और वर्तमान युग तक के सभी प्रमाण, आस्था, विश्वास, भक्ति, योग, साधना, व्रत और साधु, संत, महात्माओं के संकल्प का प्रतीक है। श्रीराम हमारे रोम-रोम में बसे हैं।

भारत भूमि का हर एक खंड तीर्थ है। विचार करें तो अयोध्या धाम हर युग में तीर्थ स्थल रहा है और आगे भी रहेगा। इसकी कितनी ही कथाएं हमारे वेदों, शस्त्रों आदि में लिखी हैं। हमारे पूज्य संतों ने इसके बारे में बताया भी है। तीर्थ नगरी में संतों के यज्ञ, तप का ही फल है कि वहां दिव्य अवतार होते हैं। महात्मा परम पूज्य ऋष्यश्रृंग ने अग्नि से भगवान श्रीराम के पैदा होने वाले उसे दिव्य, अद्भुत पदार्थ का पान तीनों माताओं को कराया। माता कौशल्या को प्रभु श्रीराम ने गर्भ में ही दर्शन दिए लेकिन माता ने शिशु लीला करने की बात कही और प्रभु ने इसे स्वीकार किया। प्रभु श्रीराम सहज, सरल, सौम्य आदि दिव्य गुणों से भरे हुए हैं। अयोध्या में भगवान श्रीराम के जन्म के साथ भगवान की बाललीला और राज के बारे में संत-महात्मा कथाओं में बताते हैं।

– डॉ. नीरज भारद्वाज

जरा हटके

असली समाजवादी...

कमलेश पांडेय

समझिए, साल 2026 में आखिर क्या होनी चाहिए बारूदी ढेर सुलगती दुनिया की प्राथमिकताएं?

साल 2026 में देश-दुनिया की प्राथमिकताएं क्या होनी चाहिए, इसमें पूंजीवादी देशों, साम्यवादी देशों और समाजवादी देशों के शासकों और उनके कथित संरक्षकों में मतभेद हो सकते हैं लेकिन इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता है कि समदर्शी व समावेशी लोकतंत्र, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक असमानता कम करना और हर हाल में विश्व में शांति की स्थापना उनकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए क्योंकि ये उपेक्षित विषयवस्तु / क्षेत्र वैश्विक स्थिरता, विकास और दुनियावी सुशासन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं।ये मुद्दे आम आदमी के समसामयिक व दूरगामी हितों की दृष्टि से भी काफी जरूरी हैं।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के अनुसार, सतत विकास और तकनीकी नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है क्योंकि ऐसा करके ही उपर्युक्त दुरूह यानी कठिन लक्ष्य को हासिल करके इस दुनिया को रमणीय बनाया जा सकता है। देखा जाए तो प्रकृति ने प्राणिमात्र के लिए सबकुछ निःशुल्क दिए हैं, बस आवश्यकता इस बात की है कि इसे कारोबारी नजरिए से नहीं बल्कि प्राणी मात्र के अहर्निश सेवा भाव के नजरिए से देखे जाने की जरूरत है। इस हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में समवेत कोशिश होनी चाहिए।

दुनिया आज लोकतांत्रिक स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के संवैधानिक आधारशिला पर खड़ी है, लेकिन जब नानाविध भेदभावों को समुचित नियम कानूनों के जरिए परोसा जाएगा तो समानता व बंधुत्व का भाव गायब होना लाजिमी है। आज की लोकतांत्रिक दुनिया इसी अनैतिक विडंबना से ग्रस्त है, क्योंकि बहुमत के लोकतंत्र से आगे सर्वसम्मत लोकतंत्र की बात सोचने, समझने

और उसे अंगीकार करने की चाहत हमलोगों में न के बराबर है, जबकि यह भावना प्रबल होनी चाहिए क्योंकि इसी में सबका हित सन्निहित है। खासकर जब दुनिया की संपदा महज 10 प्रतिशत लोगों के पास सिमटी हुई हो तो समदर्शी और समावेशी लोकतंत्र व अर्थतंत्र की बात और ज्यादा मुखर हो उठती है। इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ, अमेरिका, रूस, चीन, भारत, फ्रांस, जर्मनी, जापान, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और इजरायल जैसे देशों लोकतांत्रिक या साम्यवादी/समाजवादी देशों को फ्रांसीसी क्रांति की मूल भावना को सरजमीं पर लागू करना चाहिए ताकि बेलगाम अमेरिकी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी पूंजीवाद को असली समाजवादी भावना की कसौटी पर कसा जा सके। यदि ऐसा नहीं होगा तो जलवायु संकट समेत तमाम विभिन्नताओं को बढ़ावा मिलेगा।

समसामयिक जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 2026 में नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश बढ़ाना सबकी स्पष्ट प्राथमिकता होनी चाहिए। चूंकि चरम मौसम यानी ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण जैसी घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है, इसलिए वैश्विक समझौतों को मजबूत करना जरूरी है। इस नजरिए से विकसित और विकासशील देशों को उत्सर्जन कम करने के ठोस लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए। जहां तक संभव हो विकास और सुशासन के प्राकृतिक मॉडल को अपनाने की नीति का अनुशरण सभी देशों को करना चाहिए। अन्यथा ग्लोबल वार्मिंग और सभी प्रकार के प्रदूषणों में बढ़ोतरी होगी, जिसकी कीमत खास आदमी से ज्यादा आम आदमी चुकाने की अभिशप्त नजर आता है।

परहित सरिस धर्म नहीं भाई

हम कदम ऐसा चले कि निशान बन जायें और काम ऐसा करें कि पहचान बन जायें । वह यहाँ जिंदगी तो सभी जी लेते हैं मगर जिन्दगी ऐसी जीओ कि हम सबके लिए मिसाल बन जायें । हमारा जीवन है वह जीवन में और बातों के साथ-साथ एक और पहलू परोपकार है । वह जो मनः संतुष्टि का आधार है। यह साथ ही साथ धार्मिक वृत्ति का भी एक प्रकार है । गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी सटीक कहा है कि परहित सरिस धर्म नहीं भाई। वह यानि सबसे बड़ा धर्म दूसरों की भलाई है । अपने हित के लिए तो दुनियां में सभी जीते हैं । वह दूसरों के लिए जीने वाले जीवन का अमृत पीते हैं । वह जो यह सदा दूजों की भलाई की बात पर हित सोचता है व उसके जीवन के मूलगुणों की कभी घात नहीं होती है । वह सदा परोपकार के वैभव से सम्पन्न व धनवान बने रहते हैं । यही सचमुच में हर महान व्यक्ति की पहचान होती है। परोपकार एक ऐसी औषधि है जीसके सेवन से ईर्ष्या, द्वेष , अहंकार आदि जैसी कोई बीमारी नहीं होती है। अपने लिए तो हर कोई जीते हैं । वह सुख सुविधा के अनेक प्रयास से साधन जुटाते है । वह औरों के लिए जो जिए उस पर ईश्वर भी अपनी करुणा लुटाते हैं । हमारे सामने परोपकार का जीता जागता उदाहरण युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी हैं । वह जन-जन के कल्याण हेतु रात दिन श्रम करते है और उन्हें सन्मार्ग दिखाते हैं । हमारे जीवन में अगर परोपकार का स्रोत बहेगा तो मान के चले उसके जीवन में प्रतिपल सुख और शांति का उमड़ता सागर है। शास्त्रानुसार भी पर सेवा हमारे जीवन की पवित्र कमाई है । हम अपनों की सेवा करें, कोई बड़ी बात नहीं हैं । पीड़ित मानवता की निष्काम सेवा करना ही असली कमाई है। हम यह याद रखें सृष्टि में सिर्फ इन्सान को ही ईश्वरीय मन मिला है जिसमें सहानुभूति का कमल खिल सकता है । वह हम इसका यथोचित उचित उपयोग करें जिससे आधिकाधिक लोग लाभान्वित हों । हम जब किसी की दिल से सेवा - सहायता करते हैं तो स्वतः ही हमारा दिल विशाल होने लगता है । वह कमाल होता है । अद्भुत आंतरिक शांति मिलने लगती है । वह आनंदाभूति और खुशी की प्राप्ति होती है। अतः मानवोचित है कि हम अपने प्राप्त क्षमता, ज्ञान, प्रतिभा आदि का उपयोग दूसरों की सेवा और भलाई के लिए भी करें। यानि हम दूसरों के लिए भी जिएं।

› प्रदीप छाजेड़

लोग बोले- प्रदूषण से जान गई, 10 लोगों ने रस्सी से बांधकर खींचा, 8-10 लोग उसे उठाने में लगे

गंगा में 350 किलो की डॉल्फिन की मौत

खतरा

तमसा संकेत, एजेंसी

अमेरिका ने लाल सागर में अपना वॉरशिप आईजनहॉवर तैनात किया है।

कानपुर । कानपुर में गंगा किनारे 350 किलो की मरी हुई डॉल्फिन मिली है। स्थानीय नाविकों ने शुक्रवार शाम 5 बजे बड़ी मछली को उतराते हुए देखा। पास जाकर देखा तो पता चला कि डॉल्फिन है। नाविकों ने इसकी सूचना पुलिस और वन विभाग को दी।

वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। डॉल्फिन को रस्सी से बांधकर ले गई। 8-10 लोग उसे उठाने में लगे थे। स्थानीय लोगों ने आशंका जताई है कि गंगा में प्रदूषण की वजह से डॉल्फिन की मौत हुई है। जहां शव मिला, वहां जाजमऊ क्षेत्र में सबसे ज्यादा टेनरियों का प्रदूषित पानी गंगा में गिरता है। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से ही मौत की वजह साफ हो सकेगी।

जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया-डॉल्फिन की लंबाई 10 फीट है। शव 2 से 3 दिन पुराना लग रहा है। डॉल्फिन को वन विभाग के रेंजर राकेश पांडेय को सौंप दिया गया है। डॉल्फिन एक्सपर्ट और वेस इंडिया के डायरेक्टर डॉ. राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया-डॉल्फिन के सुरक्षित जीवन के लिए गंगा के पानी में घुलित ऑक्सीजन (DO) कम से कम 5 mg/L होनी जरूरी है। अगर DO का स्तर 3 से 4 mg/L के बीच आ जाता है, तो डॉल्फिन लगातार तनाव में रहती है और उसका प्रजनन प्रभावित होने लगता है।

गाजीपुर में दम घुटने से हुई थी डॉल्फिन की मौत

गाजीपुर में 23 दिसंबर 2025 को पांच फीट लंबी और लगभग 150 किलो वजनी डॉल्फिन (नर) का शव कालूपुर घाट के किनारे मिला था। डिप्टी सीवीओ सर्वेश कुमार की निगरानी में तीन सदस्यीय डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमॉर्टम किया था। 26 दिसंबर को पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आई, जिसमें मौत का कारण दम घुटना बताया गया। हालांकि, दम घुटने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया था। इसकी जांच के लिए एक टीम लगाई गई है। टीम 30 दिन में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

इससे पहले चार साल में चार डॉल्फिन की मौत

भारतीय वन्यजीव संस्थान (WWI) ने भारत की नदियों में डॉल्फिन की संख्या जानने के लिए साल–2024 में सर्वे किया। 3 मार्च 2025 को केंद्र सरकार ने इसके आंकड़े जारी किए। गंगा नदी में डॉल्फिन की संख्या 6324 पाई गई। जबकि बिजनौर से नरौरा बैराज तक इनकी संख्या 52 दर्ज की गई।

2023 में ये संख्या 50 थी। यानि बीते एक साल में दो डाल्फिन बढ़ी हैं। साल–2020 से 2024 तक मेरठ और बुलंद-शहर जिले में चार डॉल्फिन की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में इनकी मौत का कारण आज तक स्पष्ट नहीं हुआ है।

जाजमऊ में गंगा की जल गुणवत्ता डी कैटेगरी में

जाजमऊ में गंगा की जल गुणवत्ता चिंताजनक बनी हुई है। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, यहां घुलित ऑक्सीजन (DO) 8.10 मिग्रा प्रति लीटर है, जबकि BOD 3.50 मिग्रा प्रति लीटर रही। इसके साथ ही टोटल कोलीफार्म की मात्रा 4700 एमपीएन प्रति 100 एमएल और फीकल कोलीफार्म 3300 एमपीएन प्रति 100 एमएल पाई गई।

आदमपुर मंडल में एसआईआर अभियान को लेकर बैठक आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर विधानसभा क्षेत्र के आदमपुर मंडल में मतदाता गहन पुनरीक्षण (SIR) अभियान को लेकर बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं मंडल पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल की सहभागिता रही, जबकि मुख्य वक्ता भाजपा के वरिष्ठ नेता ऐश्वर्या मौसम चौधरी रहे।

बैठक की अध्यक्षता आदमपुर मंडल अध्यक्ष पुष्पराज कमल ने की। कार्यक्रम में आदमपुर मंडल प्रभारी संदीप तायल, पूर्व मंडल अध्यक्ष देवेंद्र मलिक, महामंत्री आशीष शर्मा, कपिल चौधरी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण अभियान को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने, नए मतदाताओं को जोड़ने तथा अपात्र नामों के विलोपन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाने का आह्वान किया।

भाजपा नेता ऐश्वर्या मौसम ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतंत्र की मजबूती का आधार है। प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल हो और किसी भी अपात्र का नाम सूची में न रहे, यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। बूथ स्तर तक कार्यकर्ता पूरी निष्ठा और सजगता से इस अभियान को सफल बनाएं।

मुख्य अतिथि जिला उपाध्यक्ष पूनम गोयल ने कहा कि मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान लोकतांत्रिक व्यवस्था की शुचिता से जुड़ा महत्वपूर्ण कार्य है। उन्होंने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से समन्वय और जिम्मेदारी के साथ अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

फास्ट न्यूज

पानी से भरे गड्ढे में डूबने से बच्चे की मौत

बाराबंकी । बाराबंकी में तहसील परिसर में पानी भरे गड्ढे में डूबने से 12 साल के बच्चे की मौत हो गई। वह घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान फिसलकर गड्ढे में जा गिरा। परिजन उसको तलाश करते हुए गड्ढे के पास पहुंचे तो शव उतराता मिला।

इसके बाद उसे बाहर निकालकर अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा बच्चा सेप्टिक टैंक में गिर गया था।

माघ मेले में आईं दो नई 'मोनालिसा'

प्रयागराज । महाकुंभ में फेमस हुई माला बेचने वाली मोनालिसा के बाद माघ मेले में 2 और लड़कियां चर्चा में हैं। ये दोनों भी माला बेचती हैं। इनमें पहली लड़की है अफसाना, जो सिर्फ माला बेचती है और मोनालिसा की रिश्तेदार है। वहीं, दूसरी लड़की बासमती है, जो माला और दातून दोनों बेचती है। माघ मेले में आए लोग अफसाना और बासमती के साथ जमकर सेल्फी ले रहे हैं। उनके साथ वीडियो बना रहे हैं। सोशल मीडिया पर दोनों के फोटो-वीडियो खूब शेयर हो रहे हैं। दरअसल, मोनालिसा को अच्छी कमाई मिली। बॉलीवुड फिल्म में भी काम मिला।

सिरफिरे युवक ने यादवों को गालियां दीं, फिर मांफी मांगी

प्रयागराज । प्रयागराज में युवक का एक वीडियो सामने आया है। वीडियो में एक युवक नशे में धुत होकर पूरे यादव समाज (अहीर) पर भद्दे कमेंट्स कर रहा है। इस दौरान वह हाथ में चाकू लिए है। चाकू लहरा कर धमकी दे रहा है और गालियां दे रहा है। अब लोगों ने X पर शेयर कर कार्रवाई की मांग शुरू कर दी। वीडियो प्रयागराज पुलिस के साथ ही यूपी पुलिस और सीएम योगी आदित्यनाथ को भी टैग कर कार्रवाई की मांग की गई।

60 बी यूपी स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियनशि 4 जनवरी 2026 से

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी। डिस्ट्रिक एथलेटिक एसोसिएशन झांसी के तत्वावधान में 60 वीं महिला पुरुष यूपी स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियन शिप 2026का आयोजन महारानी लक्ष्मी बाई व दद्दा ध्यान चन्द्र की ऐतिहासिक नगरी झांसी में दिनांक 4 जनवरी 2026 रविवार को रानी लक्ष्मी बाई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स मैदान जीआईसी मैदान पर होगा।

यह जानकारी डिस्ट्रिक एथलेटिक एसोसिएशन झांसी के अध्यक्ष असद उल्ला खां, सचिव अभय, प्रतियोगिता के ऑर्गेनाइजर चेयर मैंन डॉक्टर रोहित पांडे ने आयोजित की गई पत्रकार वार्ता के दौरान बताया कि चार जनवरी 2026 से जीआईसी ग्राउंड में 60 वीं महिला पुरुष यूपी स्टेट क्रॉस कंट्री चैंपियन शिप 2026 का आयोजन कर रहा है। प्रतियोगिता में प्रदेश के सभी जिलों से लगभग छह सौ प्रतिभागी व सौ निर्णायक प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता चार आयु वर्ग अंडर 16 अंडर 18 अंडर 20 व सीनियर पुरुष वूमेन प्रतियोगिता में शामिल होंगे।

उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता का शुभारंभ सदर विधायक रवि शर्मा और, अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सिंह ओर समापन समारोह पूर्व सांसद डॉक्टर चंद्रपाल सिंह यादव, अध्यक्षता पूर्व विधायक बृजेंद्र कुमार ब्यास करेंगे। अर्जुन अवार्ड लेने वाले कई एथलेटिक, अंतरराष्ट्रीय कोच रुस्तम भी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। वेलकमिंग कमेटी चेयर मैंन एडवोकेट जैद रिजवान मंसूरी पत्रकार वार्ता में उपस्थित रहे।

चन्द्रशेखर रामानुज को किया गया निलम्बित

लखनऊ । श्रीमती माला श्रीवास्तव, सचिव एवं निदेशक भूतत्व व एवं खनिकर्म विभाग उत्तर प्रदेश, द्वारा जनपद अयोध्या में तैनात खान निरीक्षक श्री पाठक चन्द्रशेखर रामानुज को अपने पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही व उदासीनता बरते जाने तथा अवैध खनन व अवैध परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण रखे जाने में विफल होने के दृष्टिगत सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलरेन्स की नीति के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मुख्यालय लखनऊ सम्बद्ध कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुये सचिव व निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग श्रीमती माला श्रीवास्तव ने बताया अवैध खनन व अवैध परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाये जाने के बहुत सख्त निर्देश विभाग के सभी अधिकारियो व कर्मचारियों को दिये गये हैं और कहीं भी किसी भी स्तर पर कोई विभागीय अधिकारी / कर्मचारी उप खनिजों के अवैध खनन या अवैध परिवहन मे संलिप्त पाया गया तो उसके विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

चेयरमैन लोकेंद्र चौधरी की हो रही प्रशंसा, जानवरों के लिए भी राहत का माध्यम बन रहे

अलाव ठंड में इंसान ही नहीं बेजुबानों का भी बनें सहारा

तमसा संकेत, संवाददाता

झालू। शीतलहर और कड़ाके की ठंड ने नगर में आम जनजीवन को प्रभावित कर रखा है। तापमान गिरने के साथ ही बेजुबान पशु भी सर्दी से बचने के लिए सुरक्षित स्थान तलाशते नजर आ रहे हैं। ऐसे हालात में नगर पंचायत की ओर से जलवाए जा रहे अलाव न केवल लोगों बल्कि जानवरों के लिए भी राहत का माध्यम बन रहे हैं। नगर के एक सार्वजनिक स्थान पर उस समय अनोखा दृश्य देखने को मिला, जब अलाव के पास दो बंदर बैठकर ठंड से बचाव करते दिखाई दिए। यह दृश्य देखकर राहगीरों ने नगर पंचायत की व्यवस्था की प्रशंसा की और इसे संवेदनशील पहल बताया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि ठंड के मौसम में अलाव की व्यवस्था से मजदूरों, बुजुर्गों और जरूरतमंदों को काफी राहत मिल रही है। साथ ही बेजुबान जानवरों को भी सर्दी से बचाव का सहारा मिलना सुखद संकेत है। नगर पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि शीतलहर के दौरान जनहित को प्राथमिकता देते हुए नगर में अलाव की समुचित व्यवस्था कराई जा रही है, ताकि कोई भी ठंड से प्रभावित न हो। अधिशासी अधिकारी विजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि नगर के प्रमुख चौराहों और सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जलवाए जा रहे हैं। संबंधित कर्मचारियों को लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। अधिशासी अधिकारी विजेंद्र पाल सिंह ने बताया कि "ठंड और शीतलहर को देखते हुए नगर पंचायत द्वारा सभी प्रमुख चौराहों व सार्वजनिक स्थानों पर नियमित रूप से अलाव जलवाए जा रहे हैं।

नगर पंचायत अध्यक्ष लोकेंद्र चौधरी का कहना है कि "भीषण ठंड में नगरवासियों के साथ-साथ बेजुबान पशु-पक्षियों की भी चिंता करना हमारी जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से नगर के विभिन्न स्थानों पर लगातार अलाव की व्यवस्था कराई जा रही है।"

बेजुबान भी पा रहे सुकून

कड़ाके की ठंड और शीतलहर के प्रकोप से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इस भीषण ठंड में जहां आम नागरिक ठिठुरने को मजबूर हैं, वहीं बेजुबान जानवर भी सर्दी से परेशान दिखाई दे रहे हैं। नगर-वासियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पंचायत अध्यक्ष के निर्देशन में नगर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाए जा रहे हैं।

इसी क्रम में नगर में एक पेड़ के नीचे जल रहे अलाव के पास दो बंदर आग के सामने बैठकर ठंड से राहत लेते नजर आए। यह दृश्य देखकर राहगीर और स्थानीय लोग भावुक हो उठे। लोगों ने इसे नगर पंचायत की संवेदनशील सोच का प्रतीक बताया। बेजुबान जीवों तक को अलाव से राहत मिलती देख नगर-वासियों ने नगर पंचायत अध्यक्ष की खुले दिल से सराहना की और कहा कि ऐसी पहल ठंड के इस कठिन समय में अत्यंत सराहनीय है।

बीएएमएस छात्र ने की खुदखुशी

बैक लगने से डिप्रेशन में था, चित्रकूट का रहने वाला था

तमसा संकेत, एजेंसी

शैलेंद्र कुमार, मृतक

कानपुर । कानपुर के रामा मेडिकल कॉलेज के एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शैलेंद्र कुमार (27) मूल रूप से चित्रकूट का रहने वाला था। उसकी लाश कमरे में रस्सी से लटका मिली। शैलेंद्र थर्ड ईयर का छात्र था। पढ़ाई में बार-बार बैक आने से मानसिक रूप से तनाव में था।

सुबह जब बगल में रहने वाला दोस्त कमरे पर पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी दरवाजा खटकाने के बाद भी कोई जवाब नहीं मिला, तब खिड़की से झांकने पर छात्र का शव फंदे से लटकता दिखा। 112 डायल कर पुलिस बुलाई।

चित्रकूट कर्बी निवासी बृज किशोर के परिवार में पत्नी गीता देवी व तीन बेटे लालेंद्र, शैलेंद्र कुमार (27) और योगेंद्र कुमार है। मां गीता की 18 साल पहले हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। शैलेंद्र रामा आयुर्वेदिक मेडिकल इंस्टीट्यूट से वर्ष 2021 से BAMS की पढ़ाई कर रहा था। पिता ने बताया की पहले सेमेस्टर में बैक लग गई थी, जिस पर वह पेपर छोड़कर घर जाने की बात कहकर वहां से निकला, लेकिन घर आने की बजाए दिल्ली चला गया था। बड़ा बेटा लालेंद्र दिल्ली से उसे घर लेकर आ आया था। दोबारा समझा बुझाकर उसे कॉलेज भेजा था, वह सेकेंड सेमेस्टर में पास हो गया था। उसके साथ पढ़ने वाले दोस्तों ने बताया कि 8 सितंबर से तीसरे सेमेस्टर के पेपर शुरू हुए थे। नवंबर में रिजल्ट आया था, जिसमें अगदतंत्र, रस शास्त्र, रोग निदान एवं विकृत विज्ञान में उसकी बैक लग गई थी। जिसके बाद से वह परेशान चल रहा था, दोस्तों के मुताबिक 6 माह पहले अप्रैल में हॉस्टल छोड़ कर शैलेंद्र मंधना में किराए के मकान में रहने लगा था।

“मौके पर बिठूर थाना पुलिस और फॉरेंसिक टीम पहुंची, जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों को सूचना दी गई। मामला बिठूर थाना क्षेत्र के बगधौदी बांगर का है।

एसीपी बोले- पढ़ाई का दबाव बना कारण

एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि छात्र परीक्षा में दो बार बैक आने से परेशान था। एक बार वह घर भी चला गया था और पेपर नहीं दे पाया था। थर्ड ईयर में दोबारा बैक आने के बाद वह ज्यादा तनाव में आ गया, जिसके चलते यह कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संस्कार परिवर्तन से ही संसार का परिवर्तन होगा राजयोगिनी : चित्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शाखा बरुआ सागर में नए वर्ष के उपलक्ष में ब्रह्मा भोजन का आयोजन किया गया एवं जीवन में सदैव नई सोच और उमंग उत्साह से आगे बढ़ने का ज्ञान दिया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मऊरानीपुर केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके चित्रा दीदी जी ने कहा की नए वर्ष के साथ हमें नया युग भी लाना है इसलिए अपनी सोच को सकारात्मक बनाना है किसी भी चीज को बर्बाद ना करें हर चीज को सफल करें उन्होंने कहा की विशेष भोजन का ध्यान रखें उतना ही ले थाली में की व्यर्थ न जाए नाली में अगर हम किसी चीज को बर्बाद करते हैं तो उस चीज की हमें जीवन में कमी हो जाती है अगर हम हमेशा जीवन में भरपूर और संपन्न रहना चाहते हैं तो हर एक चीज की कदर करना सीखें चाहे वह पानी हो बिजली हो अन्न हो हर चीज की बचत करें साथ ही साथ व्यर्थ चिंतन से भी दूर रहे अपनी मन की शक्ति की भी बचत करें आप इस संसार में महान कार्य करने के लिए आए हैं इसलिए पर चिन्तन पर दर्शन में अपना समय बर्बाद ना करें और अपने जीवन में नई सोच नए उत्साह के साथ सदैव आगे बढ़े I इसी बीच बरुआसागर केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके उमा दीदी जी ने कहा जो बीत गया उसे दोहराना नहीं करते क्योंकि भूतकाल सपना है भविष्य कल्पना है लेकिन वर्तमान अपना है अगर हमें भविष्य को अच्छा बनाना है तो पहले अपने वर्तमान को अच्छा बनाएं आज सबसे ज्यादा इंसान इसलिए परेशान है क्योंकि वह भविष्य की चिंता तो करता है लेकिन भविष्य को अच्छा कैसे बनाना है उसकी चिंता नहीं करता इसलिए हमेशा याद रखें कि वर्तमान में जितना शुभ सोचेंगे श्रेष्ठ कर्म करेंगे दुआएं देंगे दुआएं लेंगे दूसरों को सहयोग देंगे सुख देंगे उतना ज्यादा आपका भविष्य श्रेष्ठ बनेगा क्योंकि अभी परमपिता परमात्मा स्वर्णिम संसार की स्थापना का कार्य कर रहे हैं जिसमें हम सभी आत्माएं सहयोगी बनकर अपने तन मन धन को सफल कर एवं अपने जीवन का परिवर्तन इस भारत को स्वर्णिम भारत बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं इसलिए हम सभी विशेष हैं हमें अपने समय को सफल करना है जितना हो सके परमात्मा को याद कर अपने आपको तपाना है एवं व्यसन बुराइयों से मुक्त रहना है ।

दर्शन : 2 फर्जी बाबा पकड़े गए, सपा कार्यकर्ता ने मुलायम की फोटो संग लगाई डुबकी

माघ मेले में किया किन्नरों ने त्रिशूल लहराकर स्नान

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । प्रयागराज महाकुंभ के बाद पहला माघ मेला आज शनिवार से शुरू हो गया। पहले दिन पौष पूर्णिमा पर अब तक 21 लाख से ज्यादा श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर आचार्य कल्याणी मां ने त्रिशूल लहराते हुए हर-हर गंगे के जयघोष के बीच आस्था की डुबकी लगाई। श्रद्धालु स्नान-दान के बाद लेटे हनुमानजी के दर्शन कर रहे हैं। मेला प्राधिकरण का अनुमान है कि आज 20 से 25 लाख श्रद्धालु पहुंच सकते हैं। पुलिस ने दो फर्जी बाबा पकड़े हैं। उनके पास से फर्जी आधार कार्ड और नकली नोट मिले हैं। वहीं, एक सपा कार्यकर्ता ने मुलायम सिंह यादव की तस्वीर के साथ गंगा में डुबकी लगाई। सीएम योगी ने अफसरों को फील्ड में उतरने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा के लिए 10 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। मेले की निगरानी AI तकनीक से लैस CCTV कैमरों से की जा रही है। ATS-NIA के कमांडो भी तैनात हैं। योगी सरकार माघ मेले को मिनी कुंभ के रूप में आयोजित कर रही है। मेला 800 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला है और 15 फरवरी तक चलेगा। मेले को 7 सेक्टरों में बांटा गया है। 8 किलोमीटर लंबे स्नान घाट बनाए गए हैं। महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के चेंजिंग रूम भी बनाए गए हैं।

2 जनवरी की रात 8 बजे से मेले में वाहनों की एंट्री बंद कर दी गई है। संगम नोज पर सिर्फ प्रशासकीय और चिकित्सीय वाहनों को ही जाने की अनुमति है।

संगम नोज पर घोड़ा बिदका, पुलिसकर्मी को पटका

संगम नोज के पास घुड़सवार पुलिसकर्मी का घोड़ा बिदक गया। उसने राइडर पुलिसकर्मी को पटक दिया। इस दौरान पुलिसकर्मी चोटिल हो गया। मामला सुबह 7 बजे का है। मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिसकर्मी को अस्पताल भेजा गया है।

अचानक स्टेशन पर भीड़ बढ़ी, लोग शहरों की तरफ लौटने लगे

माघ मेला का स्नान भोर से जारी है। अब लोग अपने घरों की तरफ लौटने लगे हैं, प्रयागराज जंक्शन पर स्नान के बाद लौटने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ अचानक बढ़ गई है। लोग टिकट काउंटर पर लगकर अपनी-अपनी ट्रेनों की टिकट ले रहे हैं।

वाराणसी के आईपी विजया मॉल की कैंटीन में छापेमारी

वाराणसी । वाराणसी के भेलूपुर स्थित आईपी विजया मॉल की कैंटीन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) विभाग की टीम ने छापेमारी कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच की।

यह कार्रवाई गुरुवार को कैंटीन में घटिया समोसा परोसे जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद की गई। वीडियो सामने आने के बाद विभाग ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल निरीक्षण के आदेश दिए थे।

छापेमारी के दौरान टीम ने कैंटीन में रखे आलू पेटीज का सैंपल जांच के लिए संग्रहित किया। इसके साथ ही कैंटीन के फ्रिज और रसोई क्षेत्र का निरीक्षण किया गया, जहां काफी गंदगी पाई गई। साफ-सफाई के मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर कैंटीन प्रबंधन के खिलाफ कड़ी नाराजगी जताई गई। मौके पर मौजूद प्रबंधक को नोटिस जारी कर 14 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया गया है।

नगर पंचायत चौमुंहा में निर्माण कार्यों में धांधली का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। चौमुहां नगर पंचायत प्रशासन और ठेकेदारों की मिलीभगत से कराए जा रहे विकास कार्यों में धांधली और लापरवाही का आरोप लगाया है। स्थानीय निवासी जगन्नाथ सिंह ने निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री के प्रयोग और नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उच्चाधिकारियों से जांच की मांग की है। जगन्नाथ सिंह का आरोप है कि कस्बे में बनाई जा रही सड़कों में मानकों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान कहीं गिट्टी डाली जा रही है तो कहीं मिट्टी से ही काम चलाया जा रहा है। उनके आवास के समीप बन रही सड़क में पुरानी सड़क के ऊपर ही नाममात्र की गिट्टी डालकर इतिश्री की जा रही है। यही हाल चौमुंहा अड्डे पर चल रहे नाला निर्माण का है, जहाँ सीमेंट और मसाले के प्रयोग में भारी कटौती की जा रही है। शिकायतकर्ता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि निर्माण कार्य में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराई जा रही है, जो बाल श्रम कानून का सीधा उल्लंघन है। जगन्नाथ सिंह के अनुसार, जब उन्होंने निर्माण संबंधी एस्टीमेट (बजट) देखने की मांग की, तो ठेकेदार ने मौके पर मौजूद रहने के बजाय फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पीड़ित ने सीधे तौर पर नगर पंचायत प्रशासन को भी कठघरे में खड़ा किया है। उनका कहना है कि ठेकेदार और विभाग की मिलीभगत के कारण ही कस्बे में इस तरह का ₹घटिया₹ निर्माण कार्य धड़ल्ले से चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच कराई जाए और मानक के अनुरूप ही सड़कों का निर्माण सुनिश्चित किया जाए।

जज बोले- ठोस सबूत नहीं, पूर्व आईपीएस ने कहा- कोडीन सिरप में धंनजय का नाम लिया तो फंसाया

अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी पर जांच अधिकारी को फटकार

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया । धोखाधड़ी मामले में देवरिया जेल में बदं पूर्व IPS अमिताभ ठाकुर की शनिवार को पेशी हुई। सीजेएम कोर्ट में उनकी जमानत पर करीब 30 मिनट तक बहस हुई। इस दौरान लखनऊ से आए जांच अधिकारी (IO) कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सके।

इस पर जज ने जांच अधिकारी को फटकार लगाई। कहा- अब तक की जांच में ऐसा कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है, जिससे साबित हो कि अमिताभ ठाकुर की गिरफ्तारी आवश्यक थी। उनके खिलाफ आरोप प्रथम दृष्टया मजबूत हैं। इसलिए कोर्ट मामले की जांच की मॉनिटरिंग करेगा।

जज ने जांच अधिकारी से गिरफ्तारी के आधार, साक्ष्यों की उपलब्धता और जांच की दिशा से जुड़े कई सवाल पूछे। जांच अफसर किसी भी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इस पर जज ने जांच अधिकारी की निष्पक्षता पर सवाल उठाए।

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा- इस मामले में शिवम जायसवाल केवल एक "प्यादा" है, जबकि इसके पीछे कहीं ज्यादा गहरी साजिश और बड़े नाम शामिल हैं। इस पूरे नेटवर्क की जड़ें काफी गहरी हैं और इसमें दो-तीन बड़े नाम ऐसे हैं, जिनका उन्होंने पहले ही खुलासा किया है। अमिताभ ठाकुर ने आरोप लगाया कि पूर्व सांसद धनंजय सिंह पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, लेकिन अब तक न तो उनसे पूछताछ की गई और न ही जांच एजेंसियों ने उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की है।

जेल में हो रही नियमित जांच

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर देवरिया में दर्ज धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। यह मामला वर्ष 1999 से जुड़ा है। शुक्रवार से उन्होंने जिला कारागार में आमरण अनशन शुरू किया था, जो शनिवार को भी जारी रहा। अनशन की सूचना मिलते ही जेल प्रशासन ने मेडिकल टीम को अलर्ट कर दिया है और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

अमिताभ बोले- चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई की गई

जेल में भूख हड़ताल के बीच पेशी पर लाए गए अमिताभ ठाकुर ने कहा- चुनिंदा कार्रवाई करते हुए सिर्फ मुझे निशाना बनाया गया है, जबकि वास्तविक और प्रभावशाली आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। जैसे ही मैंने पूर्व सांसद धनंजय सिंह से जुड़े तथ्यों और आरोपों को सार्वजनिक किया। इसके बाद से ही साजिश रची जाने लगी। मैंने वाराणसी के कुछ बड़े भाजपा नेताओं के नाम भी सामने रखे थे, जिसके तुरंत बाद वाराणसी में मेरे ऊपर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। फिलहाल मामले में अगली सुनवाई 6 जनवरी को होगी।

अमिताभ ठाकुर को लखनऊ-देवरिया पुलिस ने 10 दिसंबर को शाहजहांपुर से गिरफ्तार किया था।

पूर्व आईपीएस बोले- मुझे लगा मेरा एनकाउंटर कर देंगे

पूर्व आईपीएस अधिकारी ने कहा कि मुकदमा दर्ज होने के अगले ही दिन मुझे रात करीब 2 बजे अचानक गिरफ्तार कर लिया गया। रात के सन्नाटे में जिस तरह से मुझे उठाया गया, उससे मुझे लगा कि कहीं मेरा एनकाउंटर न कर दिया जाए। उस रात मैं वास्तव में काफी घबरा गया था। केवल कोडीन कफ सिरप मामले में मुझे फंसाया गया है, जबकि इस पूरे प्रकरण में आज भी मेरे पास पुख्ता सबूत मौजूद हैं। इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करने जा रहा था, लेकिन रास्ते में मेरे महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और दस्तावेज छीन लिए गए, ताकि याचिका दाखिल न कर सकूं।

बीएसए ने अनियमितता पर प्रधानाचार्य को किया निलंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। जनपद के विकास खंड गोवर्धन स्थित संविलित विद्यालय नगला खारी में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी के अनुसार अध्यापकों द्वारा की गई सामूहिक शिकायत के आधार पर गठित दो सदस्यीय जांच समिति की आख्या में विद्यालय के इंचार्ज प्रधानाध्यापक कुशल सिंह को प्रथम दृष्टया दोषी पाया गया है। इसके बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से उन्हें निलंबित कर दिया है।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आदेश के अनुसार 05 फर. 2025 को खंड शिक्षा अधिकारी बलदेव एवं मथुरा की संयुक्त जांच समिति गठित की गई थी। समिति द्वारा की गई विस्तृत जांच के उपरांत 28 दिसं 2025 को जांच आख्या प्रस्तुत की गई जिसमें कई गंभीर तथ्य सामने आए।

जांच रिपोर्ट के अनुसार विद्यालय में लगातार तीन शैक्षिक सत्रों से छात्र नामांकन में गिरावट दर्ज की जा रही है। पिछले दो वर्षों के मध्यान्ह भोजन (एमडीएम) से संबंधित रजिस्टर उपलब्ध नहीं कराए गए जिससे प्रधानाध्यापक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि विद्यालय में किसी प्रकार का शैक्षणिक या वित्तीय अभिलेख उपलब्ध नहीं है जो कि बेसिक शिक्षा नियमावली का खुला उल्लंघन है। विद्यालय परिसर में गंदगी, कबाड़ और अतिरिक्त कक्षों में अव्यवस्था पाई गई जिससे यह प्रतीत होता है कि प्रधानाध्यापक को शासकीय दायित्वों में कोई रुचि नहीं है।

जांच समिति ने अपनी आख्या में उल्लेख किया है कि विद्यालय को प्राप्त कम्पोजिट ग्रांट, खेलकूद सामग्री एवं ईको क्लब मद की धनराशि का कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग एवं गबन की आशंका प्रबल हुई है।

फास्ट न्यूज

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने साप्ताहिक बंदी के दिन किए निर्धारित

बिजनौर । जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा बताया गया कि उ0प्र0 दुकान एवं वाणिज्य अधिष्ठान अधिनियम, 1962 की धारा 8 के साथ पठित नियमावली के नियम-6 में प्रदत्तश् अधिकारों का प्रयोग करते हुए जनपद बिजनौर में स्थित नियोजनों के साप्ताहिक बन्दी के सम्बन्ध में जनहित को दृष्टि में रखते हुए अपवादों को छोडकर वर्ष 2026 के लिये जनपद के विभिन्न स्थानों के लिए साप्ताहिक बन्दी दिवस स्वीकृत किया गया है।

मथुरा में माघ पूर्णिमा के दिन लगाया भंडारा

मथुरा। माघ पूर्णिमा के अवसर पर ऐतिहासिक तीर्थ विश्राम घाट पर यमुना में स्नान करने के पश्चात यमुना में पूजा अर्चना किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा अनेक जगह भंडारा लगाया गया और प्रसाद वितरण किया। इस मौके पर भरतपुर गेट पर विशाल भंडारा लगाया गया एवं श्रद्धालुओं एवं गरीब असहाय लोगों को भोजन वितरण किया। शाम को जोगेंद्र नाथ महादेव मंदिर में सुंदरकांड का पाठ सामूहिक रूप से किया गया एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ठाकुर बालाजी हनुमान महाराज की महाआरती की गई, प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

फ्रीगंज में प्लाई बोर्ड गोदाम में लगी आग

आगरा । फ्रीगंज स्थित लकड़ी के गोदाम बंसल इंपैक्स में शनिवार सुबह आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग की चपेट में आकर गोदाम में रखा लकड़ी का सामान जलकर राख हो गया। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं है हुई। खंदारी निवासी अतुल बंसल का बंसल इंपैक्स बिना फायर एनओसी के संचालित किया जा रहा था।

धार्मिक स्थल के सौंदर्यीकरण जांच का विषय खामियां आयेगी खुलकर सामने

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी । एक ओर सरकार धार्मिक स्थलों के सौंदर्यीकरण के लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रही है वही महाभारत कालीन तीर्थ स्थल कुंतेश्वर धाम में सुंदरीकरण के नाम पर ठेकेदार द्वारा चर्चा में जमकर अनियमितताए बरती गई है। लोगों में चर्चा का विषय ! अपने जनपद के देव स्थान के संदर्भ में बात करते हैं जिला मुख्यालय से करीब 42 किलोमीटर पूरब रामनगर टिकैतनगर रोड पर स्थित कस्बा बदोसराय के मुख्य चौराहे से 2 किलोमीटर उत्तर में ग्राम किन्तूर में महाभारत कालीन तीर्थ स्थल कुंतेश्वर धाम स्थित है जहां पर समय समय प्रदेश के कोने-कोने से श्रद्धालु पहुंच करके माता कुंती द्वारा स्थापित अद्भुत शिवलिंग का जलाभिषेक करके मनोवांछित फल प्राप्त करते हैं इस तीर्थ स्थल की पौराणिकता व महत्ता को देखते हुए शासन स्तर से यहां के सुंदरीकरण के लिए बीतों वर्षो में लाखों रूपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी । बड़ा आरोप ! जिसमें एक संस्था के ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण कराए जाने में जमकर सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है ।

इस संबंध में कुंतेश्वर उत्थान समिति के अध्यक्ष जयचंद यादव ने बीते दिनों में बताया कि यहां पर सोलर लाइटे शौचालय आरो प्लांट बाउंड्री वाल आदि के निर्माण के लिए शासन स्तर लाखों रुपए की धनराशि अवमुक्त हुई थी जिसमें ठेकेदार द्वारा सुंदरीकरण के नाम पर सरकारी धन का दुरुपयोग करते हुए बाउंड्री वाल में घटिया सामग्री का प्रयोग किया हैं ।

झांसी रेलवे स्टेशन हमारी स्मृतियों, संघर्ष और स्वाभिमान का प्रतीक है : भानु सहाय

हेरिटेज बिल्डिंग बचाने के लिये प्रधानमंत्री को खून से लिखें खत

तमसा संकेत, संवाददाता

झांसी । झांसी रेलवे स्टेशन की हेरिटेज बिल्डिंग बचाने के लिये चल रहें अभियान के अन्तर्गत गुरुवार को हजारों की संख्या में लोगों ने डा. वृंदावन लाल वर्मा पार्क किला रोड पर आयोजित हस्ताक्षर अभियान में शामिल होकर हस्ताक्षर किये। यही नही स्टेशन की पुरानी इमारत की उम्र के बराबर 145 लोगों ने अपने खून से हस्ताक्षर कर प्रधानमंत्री के नाम सम्बोधित पत्र लिखे ।

इस मौके पर पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की वीर भूमि झाँसी में बने ऐतिहासिक रेलवे स्टेशन की इमारत को विकास के नाम पर तोड़कर पुनः नयी बिल्डिंग

बनायें जाने के विरोध में शहरवासियों के साथ प्रधानमंत्री जी के नाम खून से पत्र लिखकर जता दिया है कि झांसी रेलवे स्टेशन केवल ईंट-पत्थर की इमारत नहीं, बल्कि झांसी की वीर परंपरा का सजीव प्रतीक है,वह उसे उसके मूल स्वरूप से नष्ट किए जाने के खिलाफ है। प्रजाशक्ति पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष पंकज रावत ने कहा कि यह आंदोलन किसी के विरोध का नहीं, बल्कि झांसी की आत्मा, अस्मिता और आने वाली पीढ़ियों के अधिकार की रक्षा का आंदोलन है। बुंदेलखण्ड निर्माण मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष भानु सहाय ने बताया कि खून से लिखे खत माननीय प्रधानमंत्री को भेजकर झांसी रेलवे स्टेशन की इमारत को तोड़ने से रोकने का आग्रह किया जायेगा। अभियान के तहत कल 2 जनवरी को पूर्वाह्न 11 बजे कचहरी चौराहा पर कलेक्ट्रेट गेट के पास हस्ताक्षर अभियान चलाया जायेगा तथा 12 बजे एक प्रतिनिधि मण्डल डी आर एम से मिलकर अपनी बात रखेगा। इस मौके पर आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष अरशद खान, कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह पारीछा, मुकेश अग्रवाल , रघुराज शर्मा, राजीव अग्रवाल,मनीराम कुशवाहा, बी एल भास्कर, भरत राय, गौरव जैन, शंभू सेन, पुत्तु कुशवाहा, सीताराम यादव, अखिलेश गुरुदेव, युवराज सिंह यादव,अनिल रिछारिया, राजकुमार फौजी,राजेन्द्र सेन, मेवालाल भंडारिया, उमा चरण वर्मा,देवेन्द्र यादव, नंदलाल वर्मा, कमल जैन,सुरेन्द्र श्रीवास, नरेश वर्मा, राहत कुरैशी , चौ. मुहम्मद महमूद ,रोवेश खान आदि ने भाग लिया।

> बुंदेलखण्ड क्रांतिदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुं. सत्येंद्र पाल सिंह ने कहा कि झांसी रेलवे स्टेशन के मूल ऐतिहासिक स्वरुप को बचाने के लिए हम शांतिपूर्ण आंदोलनों के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराते हुये सरकार और रेलवे प्रशासन से माँग करते है कि कि स्टेशन का पुनर्विकास ऐतिहासिक ढाँचे को सुरक्षित रखते हुए किया जाए।

पकड़ा गया फर्जी डॉक्टर

हंगामे के दौरान भीड़ का फायदा उठाकर पकड़ा गया फर्जी डॉक्टर अस्पताल से हुआ रफू चक्कर

लापरवाही

तमसा संकेत, संवाददाता

> सीएमएस ने कहा जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. बी. आर. त्यागी ने पूछे जाने पर बताया कि स्टाफ द्वारा इस विषय में उनसे कोई शिकायत नहीं की गई। यदि ऐसा हुआ है तो बहुत गलत है। वे कमेटी बनाकर जांच कराएंगे। जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कार्रवाई की जायेगी।

बिजनौर । जिला अस्पताल नित नई घटनाओं के चलते आये दिन सुर्ख़ियों में रहता है। आज जिला अस्पताल में उस वक्त हंगामा हो गया जब कमरा नंबर 25 में एक अजनबी मरीजों को देखकर दवाईयां लिख रहा था। स्टाफ की सतर्कता के चलते उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया। अस्पताल में तैनात डॉक्टर अपनी ओपीडी से लापता थे, और अपनी जगह किसी अन्य व्यक्ति से मरीज का इलाज कर रहे थे। बड़ा सवाल मरीजों की जान खतरे में डालने वाला ये शख्स कौन है?

आपको बता दे जिला अस्पताल में डॉक्टर की कुर्सी पर बैठा एक फर्जी डॉक्टर मरीजों को देख रहा था। पकड़े जाने पर फर्जी डॉक्टर फरार हो गया। इस फर्जी डॉक्टर का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिला अस्पताल के ओपीडी कक्ष 25 में बैठने वाले टीबी एवं छाती विशेषज्ञ डॉ. तुषार सिंह की कुर्सी पर बैठा एक व्यक्ति मरीजों को देख रहा था। वह डॉक्टर तुषार सिंह की मोहर लगे पर्चों पर दवाइयां भी लिख रहा था। शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े 9 बजे उल्टी सीधी दवाई लिखे पर्चे चीफ फार्मेसिस्ट राजेश रवि व अन्य फार्मेसी स्टाफ के पास पहुंचे तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने कक्ष 25 में जाकर देखा तो वे ये देखकर स्तब्ध रह गये कि डॉक्टर तुषार की कुर्सी पर डॉ. तुषार नहीं कोई और बैठा था, जिसे वे जानते नहीं थे। उसने मुंह पर मास्क लगा रखा था। पूछने पर वह अपना नाम भी नहीं बता रहा था। अस्पताल में ये खबर फैलते ही हंगामा हो गया। उसे स्टाफ ने घेर लिया और उससे नाम पूछने लगे, लेकिन उसने अपना नाम नहीं बताया। जोर देने पर उसने बताया कि वह डॉ. तुषार का असिस्टेंट है। स्टाफ के लोगों ने डॉ. तुषार को फोन मिलाकर पूछा तो उन्होंने भी उसे अपना असिस्टेंट बताते हुए कहा कि वह बीएएमएस चिकित्सक है। लेकिन जब स्टाफ के लोगों ने पकड़े गये व्यक्ति से पूछा तो उसने खुद को डॉक्टर होने से इन्कार किया। डॉ. तुषार ने उसका नाम दिनेश बताया। इसी गहमा-गहमी और पूछताछ के दौरान पकड़ा गया फर्जी डॉक्टर अस्पताल से खिसक गया। बाद में डॉक्टर तुषार ने उस व्यक्ति को अपना असिस्टेंट होने से इन्कार कर दिया। डॉक्टर तुषार ने कहा कि उनसे जब फोन पर पूछा गया था तो वे ये समझे कि उनकी अनुपस्थिति में उनका कोई असिस्टेंट ही मरीज देख रहा होगा।

नहटौर में जेवर-नगदी समेत 6 लाख की चोरी, सीओ ने की घटना की जांच

फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड भी लिया सहारा

> सर्दी शुरू होते ही अपराध की वारदातें तेजी से बढ़ी आम जनता में चिंता व्याप्त

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर। बिजनौर जिले में चोर -बदमाशों ने अपने रंग दिखाना शुरू कर दिए है। सर्दी शुरू होते ही चोर -बदमाश बेखोफ होकर वारदातों को अंज़ाम दे रहे हैं।

नहटौर के गांव जरीफपुर पाडला में अज्ञात चोरों ने एक घर से करीब 6 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी चुरा ली। चोरों ने गृहस्वामी के कमरे को बाहर से बंद कर इस वारदात को अंजाम दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। शनिवार की दरमियानी रात

करीब 1:30 बजे हुई। गांव जरीफपुर पाडला निवासी पंकज कुमार और दीपक कुमार अपने परिवार के साथ कमरों में सो रहे थे। अज्ञात चोर छत के रास्ते घर में घुसे।

चोरों ने निचली मंजिल पर सो रहे पंकज कुमार के कमरे को बाहर से कपड़े से बांधकर बंद कर दिया। इसके बाद उन्होंने दो अन्य कमरों को खंगाला और सोने का मंगलसूत्र, कंठी, गले की चेन, झुमकी, दो जोड़ी चांदी की पायल, चांदी के सिक्के और दो हजार रुपये नकद चुरा लिए। इसके बाद चोरों ने ऊपरी मंजिल पर स्थित दीपक कुमार के कमरे से एक जोड़ी चांदी की पायल चुराई। आहट सुनकर पंकज कुमार ने जब दरवाजा खोलने की कोशिश की, तो वह बाहर से बंधा हुआ था। उन्होंने किसी तरह दरवाजा खोला और छत पर जाकर देखा तो चोर खेतों के रास्ते भागते हुए दिखाई दिए। घटना की सूचना पर सीओ धामपुर अभय कुमार पांडेय पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच-पड़-ताल की। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड भी घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है।

पृष्ठ 01 का शेष...

अमेरिका का ...

इस दौरान अमेरिकी सैनिकों ने मिलिट्री ठिकानों और खास जगहों को निशाना बनाया। ट्रम्प ने कहा कि वे सुबह 11 बजे (भारतीय समय के मुताबिक रात 9:30 बजे) प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस मामले पर पूरी जानकारी देंगे।

CNN ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को अमेरिकी सेना ने उनके बेडरूम से घसीटकर बाहर निकाला और उन्हें अपने कब्जे में लिया।

एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी सेना के स्पेशल डेल्टा फोर्स ने इस मिशन को अंजाम दिया। इसमें किसी भी अमेरिकी सैनिकों को कोई नुकसान नहीं हुआ।

ट्रम्प ने मादुरो को ...

इसमें हेलिकॉप्टर और फाइटर जेट्स का भी इस्तेमाल किया गया था।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला ...

ट्रम्प ने कहा, हम इस फैसले में पूरी तरह शामिल रहेंगे और हमारा मकसद वेनेजुएला के लोगों के लिए आजादी सुनिश्चित करना है।

पलटवार: अजित...

अजित के तीखे जवाब से नाराज भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने शनिवार को कहा- अजित पवार अपनी गिरेबान में झांकें, अगर मैंने बोलना शुरू किया, तो वह मुश्किल में पड़ सकते हैं।

यह सियासी टकराव ऐसे समय पर सामने आया है, जब 15 जनवरी को पुणे नगर निगम चुनाव हैं। खास बात यह है कि राज्य सरकार में सहयोगी होने के बावजूद बीजेपी और एनसीपी नगर निकाय चुनाव अलग-अलग लड़ रही हैं। वहीं, अजित पवार की पार्टी शरद पवार गुट के साथ मैदान में है।

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहा कि अजित पवार क्या मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी पर शक कर रहे हैं? आरोप-प्रत्यारोप की राजनीति से किसी का भला नहीं होगा। अगर बीजेपी भी इसी तरह जवाब देने लगे, तो यह अजित पवार के लिए बड़ी परेशानी खड़ी कर सकता है।

शनिवार को पुणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अजित पवार ने कहा, संविधान हर व्यक्ति को अपनी बात रखने का अधिकार देता है। घायवाल नाम का एक व्यक्ति है (पुणे का एक फरार गैंगस्टर, जिस पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं), देखिए वह कैसे विदेश चला गया।

मुस्तफिजुर रहमान...

IPL नियमों के अनुसार BCCI ने KKR को एक रिप्लेसमेंट खिलाड़ी लेने की अनुमति दी है। इससे जुड़ी आगे की जानकारी समय आने पर साझा की जाएगी। इससे पहले BCCI सचिव देवजीत सैकिया ने आज सुबह कहा, हाल के दिनों में जो घटनाक्रम सामने आए हैं, उन्हें देखते हुए बोर्ड ने KKR को मुस्तफिजुर को रिलीज करने का निर्देश दिया है। अगर फ्रेंचाइजी किसी रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की मांग करती है, तो उसे इसकी अनुमति दी जाएगी।

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने KKR के मालिक शाहरुख खान से बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को टीम से हटाने की अपील की थी। निरुपम ने कहा- 'जब पूरा देश बांग्लादेश को लेकर गुस्से और नाराजगी में है। हम उनसे अनुरोध करते हैं कि वे उस बांग्लादेशी खिलाड़ी को टीम से हटा दें।'

वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के प्रवक्ता आनंद दुबे ने कहा- बांग्लादेशी खिलाड़ियों को IPL में भारतीय धरती पर खेलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं का बेरहमी से कत्ल किया जा रहा है, उनके घर जलाए जा रहे हैं और उनकी बहनों और बेटियों का रेप किया जा रहा है। ऐसी बेरहम हत्याएं देखने के बाद कोई इतना पत्थर दिल कैसे हो सकता है, खासकर वह जो खुद को एक टीम का मालिक कहता है?

'125 साल बाद बुद्ध ...

उस वक्त इन अवशेषों को भारत से बाहर भेज दिया गया था। इन्हें अब वापस लाया गया है।

अवशेषों को दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र पिपरहवा अवशेषों की एग्जीबिशन में रखा गया है। पीएम मोदी ने इस एग्जीबिशन का इनॉगरेशन किया।

'भगवान बुद्ध का...

भगवान बुद्ध सबके हैं, बुद्ध सबको जोड़ते हैं।

मैं खुद को भाग्यशाली समझता हूं, उनका मेरे जीवन में गहरा स्थान रहा है। जब मैं सरकार के दायित्वों से दूर था तब भी बौद्ध तीर्थस्थलों का दौरा करता था। नेपाल के लुंबिनी में माया देवी मंदिर में जाना अद्भुत अनुभव था। जापान और चीन में भी मैंने भगवान बुद्ध को महसूस किया। मंगोलिया में लोगों की आंखों में बुद्ध से जुड़ाव देखा।

मैं जहां गया मेरा प्रयास रहा कि बुद्ध की एक विरासत का प्रतीक लेकर लौटूं। भगवान बुद्ध की ये साझा विरासत प्रमाण है कि भारत डिप्लोमेसी, राजनीति से ही नहीं जुड़ता बल्कि आस्था और अध्यात्म से भी जुड़ता है। भारत उनकी परंपरा का जीवंत वाहक है।

सपा की सरकार में ...

उन्होंने कहा कि हर विभाग में लूट मची है। यूरिया खाद से लेकर धान खरीद तक में कालाबाजारी, मुनाफाखोरी और भ्रष्टाचार है। भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था, स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था सभी को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने कहा कि किसानों को फसलों की कीमत नहीं मिल रही है। दुग्ध उत्पादकों को दूध का सही दाम नहीं मिल रहा है। बिचौलिए मुनाफा कमा रहे है और उन्हें मुनाफाखोरों को सरकार का संरक्षण है। जनता को भाजपा सरकार की विफलताएं बतानी है। भाजपा सरकार हर मामले में फेल हो गई है। बजट को लेकर गुमराह नहीं होना है। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अरविंद कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

सार्वजनिक सड़क ...

विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की घटनाओं को हल्की धाराओं में निपटाना कानून तोड़ने वालों के हौसले को बढ़ाता है और भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की संभावना बढ़ा सकता है।

अकबरपुर के नागरिकों का कहना है कि कानून का पैमाना हर व्यक्ति के लिए समान होना चाहिए। यदि वही कृत्य किसी सामान्य नागरिक द्वारा किया जाता तो सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाता। ऐसे मामलों में केवल शांति भंग की धारा में चालान करना यह संदेश देता है कि कानून तोड़ा जा सकता है, बशर्ते मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो।

सोशल मीडिया और न्यूज़ रिपोर्टिंग के कारण ही पुलिस को कार्रवाई करनी पड़ी। हालांकि, कार्रवाई गंभीर नहीं थी, जिससे कई लोग इस पर असंतोष जता रहे हैं। लोगों का मानना है कि सोशल मीडिया का दबाव ही कानून को सक्रिय कर सकता है, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह नजाकत संभव नहीं होती।

विशेषज्ञों और नागरिकों का सुझाव है कि भविष्य में ऐसे मामलों में पुलिस को गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई करनी चाहिए और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। साथ ही सोशल मीडिया और जनमानस की निगरानी से प्राप्त सूचना को केवल औपचारिकता में न निभाया जाए, बल्कि कानूनी रूप से ठोस कार्रवाई की जाए।

'मनरेगा हटाकर ...

VB Ram G बिल खत्म कर मनरेगा स्कीम को फिर से शुरू करने की जरूरत है। वहीं कांग्रेस ने मनरेगा को फिर से लाने के लिए 10 जनवरी से 25 फरवरी तक 'मनरेगा बचाओ संग्राम' चलाने की घोषणा की है। इस आंदोलन के तहत देशभर में जिला, पंचायत, वार्ड और राज्य स्तर पर कार्यक्रम होंगे। दरअसल, संसद के शीतकालीन सत्र में सरकार ने लोकसभा और राज्यसभा से VB-G RAM G बिल पास कराया था।

फील्डिंग के दौरान चोट लगी, विजय हजारे ट्रॉफी से बाहर, आईपीएल तक फिट हो जाएंगे

भारतीय बैटर साई सुदर्शन की पसली में फ्रैक्चर

चोटिल

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बैटर साई सुदर्शन विजय हजारे ट्रॉफी में मध्यप्रदेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए हैं। उनकी पसली में फ्रैक्चर हुआ है। 24 साल सुदर्शन का तमिलनाडु के लिए बचे हुए मैचों में खेल पाना मुश्किल है। हालांकि, उनके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुजरात टाइटंस के लिए उपलब्ध रहने की संभावना है।

सुदर्शन को एक महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ सकता है। फिलहाल, सुदर्शन भारतीय क्रिकेट टीम का हिस्सा नहीं हैं। बताया जा रहा है कि इस तरह की चोट को ठीक होने में आमतौर पर छह से आठ सप्ताह का समय लगता है। स्कैन की रिपोर्ट के मुताबिक, 'साई फिलहाल लोअर बॉडी की स्ट्रेंड एंड कंडीशनिंग पर काम कर रहे हैं। अपर बॉडी की ट्रेनिंग अगले सात से 10 दिनों में शुरू की जाएगी।' सुदर्शन का टेस्ट क्रिकेट में हालिया प्रदर्शन निराशाजनक रहा है, जहां वह 11 पारियों में से नौ में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके हैं।

बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि अहमदाबाद में तमिलनाडु और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए विजय हजारे ट्रॉफी मैच में डाइव लगाकर रन पूरा करते समय उनकी दाईं ओर की 7वीं पसली (एंटीरियर कॉर्टेक्स) में फ्रैक्चर हो गया था।

साई सुदर्शन ने आखिरी इंटरनेशनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में 22 से 26 नवंबर 2024 को खेला था। वे वाइट बॉल सीरीज का हिस्सा नहीं थे।

सुदर्शन की पसली में पहले भी लग चुकी है चोट

सुदर्शन ने चोट लगने के बाद 29 दिसंबर को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिपोर्ट किया था। वहां उनका स्कैन कराया गया और आज रिपोर्ट में फ्रैक्चर का पता चला। जिस स्थान पर उन्हें फ्रैक्चर हुआ, उसी जगह उन्हें टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में नेट सत्र के दौरान चोट लगी थी।

भारत-न्यूजीलैंड तीसरे वनडे के टिकट 5 मिनट में सोल्ड आउट

सुबह 5 बजे खुली बुकिंग, फैंस रह गए खाली हाथ

इंदौर, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज के तीसरे मुकाबले को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिला। इंदौर के होलकर स्टेडियम में 18 जनवरी को होने वाले इस मैच के टिकट महज 5 मिनट में ही बिक गए। शनिवार सुबह लोग नींद से जागते, उससे पहले ही टिकट सोल्ड आउट हो चुके थे।

शनिवार सुबह ठीक 5 बजे टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू हुई थी। टिकट बुकिंग प्लेटफॉर्म डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो पर जैसे ही विंडो खुली, फैंस टिकट खरीदने टूट पड़े। हालत यह रही कि सुबह 5:15 बजे से पहले ही सभी टिकट बुक हो गए और वेबसाइट व ऐप पर "Sold Out" का मैसेज दिखने लगा।

इस बार मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (MPCA) ने पहले ही साफ कर दिया था कि मुकाबले के लिए एक भी टिकट ऑफलाइन नहीं मिलेगा। टिकटों की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रखी गई थी। टिकटों की आधिकारिक बुकिंग केवल district.in वेबसाइट और ऐप के जरिए की जानी थी।

MPCA ने फैंस के लिए एडवाइजरी भी जारी की थी, जिसमें हाई-स्पीड इंटरनेट रखने और समय से पहले लॉगिन कर लेने की सलाह दी गई थी, ताकि टिकट विंडो खुलते ही बुकिंग की जा सके। इसके बावजूद भारी ट्रैफिक और जबरदस्त डिमांड के चलते हजारों फैंस टिकट से वंचित रह गए। इंदौर में होने वाले इस वनडे मुकाबले की खास बात यह है कि इसमें फैंस को रोहित शर्मा और विराट कोहली को एक साथ लाइव खेलते देखने का मौका मिलेगा।

एक्सीडेंट में खोए दोनों पैर व्हीलचेयर पर रचा इतिहास

लुधियाना के शुभम ने टेबल टेनिस में जीता गोल्ड, बोले-3 साल बिस्तर पर रहे

लुधियाना, एजेंसी

लुधियाना के शुभम बधवा ने 10 साल पहले हुए सड़क हादसे में दोनों पैर खो दिए थे और व्हीलचेयर पर आ गए। इसके बावजूद उन्होंने अपने सपने को नहीं छोड़ा और स्पोर्ट्स में सफलता हासिल की।

हाल ही में उन्होंने मिस्र में आयोजित ITTF वर्ल्ड पैरा टेबल टेनिस चैलेंजर में सिल्वर मेडल जीतकर नया इतिहास रचा। इसके बाद उन्होंने 2 से 4 दिसंबर 2025 तक वडोदरा गुजरात में आयोजित UTT दूसरी नेशनल रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। शुभम बधवा का यह सफर 2016 में तब शुरू हुआ, जब 19 साल की उम्र में एक सड़क हादसे में उन्हें अपने पैर खोने पड़े। इससे पहले वे जिम्नास्टिक की प्रैक्टिस कर रहे थे और कई प्रतियोगिताओं में भाग ले चुके थे। उनका सपना था कि वे जिम्नास्टिक में देश का प्रतिनिधित्व करें, लेकिन एक्सीडेंट ने उस रास्ते को रोक दिया। व्हीलचेयर पर आने के बाद भी उन्होंने हार नहीं मानी और अंतरराष्ट्रीय पर भारत का नाम रोशन किया। अब उनकी नजर एशियन गेम्स पर है। उन्होंने कहा कि वे 3 साल बिस्तर पर रहे, फिर दोस्त ने नई राह दिखाई। जिसके बाद से सफर जारी है।

शुभम बधवा (29) लुधियाना के शाम नगर इलाके के रहने वाले हैं। LPU से B.Tech की डिग्री हासिल की। पढ़ाई में भी वे हमेशा अव्वल रहे। उनके पिता एक रिसॉर्ट में मैनेजर हैं और मां हाउस वाइफ हैं।

शुभम बचपन से ही खेलों के शौकीन रहे हैं। 6वीं कक्षा से ही उन्हें जिम्नास्टिक का शौक था और 12वीं के बाद उन्होंने मॉडलिंग की दुनिया में भी कदम रखा था। वो फिटनेस को लेकर काफी क्रेजी थे। फिटनेस के प्रति उनका जुनून ऐसा था कि वे रोजाना जिम जाया करते थे। उनके सपने बड़े थे और जीवन में कुछ बड़ा करने का हौसला भी। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था।

22 फरवरी 2016 की वह रात शुभम की जिंदगी बदलने वाली थी।

पंजाब ड्रैगन बोट टीम के ट्रायल अचानक स्थगित

कपूरथला । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में 6 से 9 जनवरी 2026 तक होने वाली 14वीं राष्ट्रीय ड्रैगन बोट चैंपियनशिप में पंजाब की टीम की भागीदारी पर संकट मंडरा रहा है। चयन ट्रायल बिना किसी पूर्व सूचना के स्थगित कर दिए गए हैं, जिससे सैकड़ों खिलाड़ी प्रभावित हुए हैं। पंजाब टीम के चयन के लिए रोपड़ में 22 से 24 दिसंबर 2025 के बीच ट्रायल आयोजित किए जाने थे। जानकारी के अनुसार, प्रबंधकों की आपसी तकरार के कारण इन ट्रायलों को अचानक रद्द कर दिया गया। पंजाब के विभिन्न जिलों से 150 से 200 खिलाड़ी कड़ाके की ठंड के बावजूद अपने खर्च पर रोपड़ पहुंचे थे, लेकिन उन्हें वहां कोई ट्रायल नहीं मिला और न ही कोई नई तारीख दी गई।

इस मामले में राज्यसभा सांसद संत बलबीर सिंह सीचेवाल ने पंजाब के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने खिलाड़ियों को न्याय दिलाने और यह सुनिश्चित करने की सिफारिश की है कि पंजाब की टीम चैंपियनशिप में भाग ले सके।

मार्करम कप्तान, रबाडा वापसी करेंगे, ट्रिस्टन स्टब्स को नहीं चुना गया

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम घोषित

ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार की जारी इस टीम का कप्तान ऐडन मार्करम को बनाया गया है।

इस टीम में कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका और जेसन स्मिथ जैसे नाम है। जो पहली बार टी20 वर्ल्ड कप के लिए चुने गए हैं। वहीं, पसली की चोट के बाद तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा टी20 इंटरनेशनल टीम में वापसी कर रहे हैं। जबकि, ट्रिस्टन स्टब्स को टीम में जगह नहीं दी गई है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए साउथ अफ्रीका की टीम

ऐडन मार्करम (कप्तान), कॉर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, डोनोवन फरेरा, मार्को यानसेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्त्या, कगिसो रबाडा और जेसन स्मिथ।

2024 में 7 रन से फाइनल हारी थी टीम

साउथ अफ्रीका की टीम 2024 में आयोजित टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल तक पहुंची थी। टीम भारत के खिलाफ महज 7 रन से फाइनल मैच हार गई थी। इस मुकाबले में खेलने वाले 7 खिलाड़ियों को इस बार भी टीम में बरकरार रखा गया है।

साउथ अफ्रीका की टीम 9 फरवरी को कनाडा के खिलाफ अहमदाबाद में अपने अभियान का आगाज करेगी।

टीम को ग्रुप डी में अफगानिस्तान, कनाडा, न्यूजीलैंड और संयुक्त अरब अमीरात के साथ रखा गया है।

मनोरंजन

पिता शक्ति कपूर के साथ अस्पताल पहुंची थीं एक्ट्रेस

श्रद्धा ने पैपराजी को वीडियो रिकॉर्ड करने से किया मना

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर शुक्रवार को अपने पिता और एक्टर शक्ति कपूर के साथ मुंबई के एक अस्पताल में नजर आईं। इससे जुड़े कुछ वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए हैं।

वीडियो में देखा गया कि श्रद्धा अस्पताल से बाहर निकलते समय फ्लोरल शर्ट और ढीली पैंट पहने हुई थीं। वह अपने 73 साल के पिता को संभालते हुए कार तक लेकर गईं। उन्होंने उन्हें आराम से कार में बैठने में मदद की।

इसी दौरान जब श्रद्धा ने देखा कि पैपराजी उनकी रिकॉर्डिंग कर रहे हैं, तो उन्होंने उंगली से इशारा करते हुए "ना, ना" कहा। वह विनम्रता से कैमरे बंद करने का अनुरोध करती दिखीं।

श्रद्धा कपूर इस दौरान असहज दिखीं और उन्होंने वीडियो बनाना बंद करने को कहा। फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि श्रद्धा और उनके पिता अस्पताल किस वजह से पहुंचे थे। इस बारे में परिवार की तरफ से कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ हफ्ते पहले श्रद्धा को फिल्म की शूटिंग के दौरान चोट लगी थी। नवंबर 2025 में वह अपनी आने वाली फिल्म ईथा की शूटिंग कर रही थीं। इसी दौरान नासिक के पास एक लावणी डांस सीन करते वक्त उनके बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था।

बता दें कि फिल्म में श्रद्धा लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ मंग नारायणगांवकर का किरदार निभा रही हैं। एक्ट्रेस के अलावा, इसमें रणदीप हुड्डा और मोहम्मद जीशान अय्यूब भी अहम भूमिका निभाएंगे। फिल्म का डायरेक्शन लक्ष्मण उतेकर कर रहे हैं और इसे दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है।

हृथिक रोशन ने क्यों दिया ऐसा बयान?

'25 फीसदी बंगाली खून'

नई दिल्ली। हाल ही में ऋतिक रोशन अपने भाई की शादी में जमकर डांस किए थे और उनका वीडियो सोशल मीडिया पर इतना वायरल हुआ था कि इसे 183 मिलियन व्यूज मिले थे और 12 मिलियन से ज्यादा लोगों ने लाइक किया था। अब उन्होंने अपने एक और पोस्ट से सुर्खियां बटोर ली हैं। ऋतिक रोशन पिछले कुछ समय से सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने लगे हैं। वह अपनी जिंदगी के खास पलों को फैंस के साथ शेयर करने में नहीं झिझकते हैं। पहले उन्होंने अपने भाई की शादी की झलकियां शेयर की थीं और अब उन्होंने बताया कि उनकी रगों में बंगाली खून बहता है। ऋतिक रोशन ने शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरों की सीरीज शेयर की है। तस्वीरों को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, यह मेरे अंदर मौजूद 25% बंगाली खून की वजह से हो रहा है। ऋतिक रोशन का ये लुक देख लोग उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। हालांकि, कुछ फैंस उन पर सवालों के बौछार करने लगे। एक यूजर ने लिखा, आपको कौन सी बंगाली डिश अच्छी लगती है? यही नहीं, कमेंट बॉक्स में लोग उनसे कृष 4 की अनाउंसमेंट की डिमांड कर रहे हैं। ऋतिक रोशन इसलिए खुद को 25 फीसदी बंगाली बता रहे हैं, क्योंकि उनकी दादी मां इरा रोशन बंगाली थीं। वह बंगाली म्यूजिक इंडस्ट्री की जानी-मानी सिंगर और कंपोजर थीं।

'पड़ोसी मुल्क विश्वसनीय नहीं' इक्कीस के डिस्कलेमर ने खींचा फैंस का ध्यान

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन के नाति अगस्त्य नंदा की फिल्म इक्कीस नए साल के मौके पर 1 जनवरी को रिलीज हो चुकी है। फिल्म में धर्मेंद्र ने अगस्त्य के पिता का किरदार निभाया है और ये उनकी आखिरी फिल्म भी है। मूवी में उनके अलावा जयदीप अहलावत और अक्षय कुमार की भांजी सिमर भाटिया भी नजर आईं। श्रीराम राघवन की फिल्म 'इक्कीस' को दर्शकों से अच्छी समीक्षाएं मिली हैं। वहीं फिल्म का कलेक्शन भी ठीक ठाक रहा। फिल्म में अभिनेता जयदीप अहलावत ने ब्रिगेडियर जान मोहम्मद निसार नामक एक पाकिस्तानी सैनिक की भूमिका निभाई है, जो एक सकारात्मक किरदार है। फिल्म निर्माताओं ने फिल्म में एक डिस्क्लेमर जोड़ा है, जिसमें लिखा है कि निसार एक अपवाद थे और पड़ोसी देश भरोसेमंद नहीं है। ये काफी वायरल हो रहा है क्योंकि फैंस का मानना है कि ये सीधा पाकिस्तान की ओर इशारा है। डिस्कलेमर में लिखा है,'पाकिस्तानी ब्रिगेडियर के. म. निसार का मानवीय व्यवहार एक अपवाद स्वरूप घटना ही है। अन्यथा हमारा पड़ोसी मुल्क बिल्कुल भी विश्वसनीय नहीं है। पाकिस्तान की सेनाओं ने युद्धकाल और शांति दोनों ही समय में हमारे सैनिकों और नागरिकों के साथ बहुत ही क्रूर और अमानवीय व्यवहार किया है।

धड़क 2 के बाद इतनी बड़ी रीमेक को किया रिजेक्ट?

करण जौहर से उठा सिद्धांत चतुर्वेदी का भरोसा

नई दिल्ली। बॉलीवुड में पिछले कुछ समय से रीमेक का कल्चर बढ़ा है। ऑडियंस चंद फिल्मों को छोड़कर ज्यादातर रीमेक मूवीज को सिरे से नकार रही हैं। कुछ स्टार्स भी अब रीमेक करने से कतरा रहे हैं। इसमें एक नाम सिद्धांत चतुर्वेदी का भी जुड़ गया है।

हाल ही में ऐसी खबर आई कि सिद्धांत चतुर्वेदी करण जौहर की मोस्ट अवेटेड रीमेक का हिस्सा बनने जा रहे हैं। वह लापता लेडीज की एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा (Pratibha Ranta) के साथ रीमेक में दिखाई देंगे। यह रीमेक है 2019 में आई फिल्म डियर कॉमरेड (Dear Comrade Hindi Remake) की हिंदी रीमेक। ऑरिजिनल मूवी डियर कॉमरेड में रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने मुख्य भूमिका निभाई थी। अब हिंदी रीमेक का हिस्सा बनने पर सिद्धांत और प्रतिभा ने रिएक्ट किया है। एक्ट्रेस ने एक पोस्ट के जरिए इन अफवाहों पर रिएक्ट करते हुए कहा, ₹सम्मान के साथ मैं सभी मीडिया पेजों से रिक्वेस्ट करती हूं कि प्लीज कोई भी बिना वेरिफाइड जानकारी पोस्ट को सर्कुलेट न करें और ऑफिशियल अनाउंसमेंट का इंतजार करें। यह मेरे साथ काफी समय से हो रहा है।

करण जौहर बनाने जा रहे हैं एक और हिंदी रीमेक

लीड एक्टर के लिए सिद्धार्थ का नाम आ रहा था सामने

सिद्धांत ने रीमेक फिल्मों पर कम करने से किया इनकार

चीन ने 4 दिन पहले कहा था- हमने भारत-पाक टकराव में मध्यस्थता की

पाकिस्तान ने चीन को संघर्ष रुकवाने का क्रेडिट दिया

समर्थन

बीजिंग/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान ने चीन के 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मध्यस्थता के दावे का समर्थन किया है। चीन के दावे से जुड़े सवाल के जवाब में पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीनी नेता उन दिनों पाकिस्तानी नेतृत्व के साथ लगातार संपर्क में थे। चीन के नेताओं ने भारतीय नेतृत्व से भी कुछ बातचीत की थी। पाकिस्तान का यह बयान चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बयान के बाद आया है। वांग यी ने 30 दिसंबर को बीजिंग में कहा था कि चीन दुनिया के कई संघर्षों को सुलझाने में मदद करता रहा है। उन्होंने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए तनाव के दौरान भी चीन ने मध्यस्थता की थी। पाकिस्तान ने कश्मीर मुद्दे पर ट्रम्प की मध्यस्थता की पेशकश को भी सराहा था। चीन के इस नए दावे के बाद उसकी भूमिका को लेकर फिर से चर्चा शुरू हो गई है, क्योंकि चीन और पाकिस्तान के रिश्ते बहुत करीबी माने जाते हैं। चीन, पाकिस्तान को सबसे ज्यादा हथियार देने वाला देश है, इसलिए उस पर सवाल उठते रहे हैं कि वह इस मामले में कितना निष्पक्ष रह सकता है। चीन का यह बयान उस समय को लेकर है, जब इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव हुआ था। इस दौरान भारत ने पाकिस्तान के कई आतंकी और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था, जिससे कुल मिलाकर 11 एयरबेस को नुकसान पहुंचा था। भारत ने यह हमला 22 अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में किया था, जिसमें 26 पर्यटकों की मौत हो गई थी। इसके अलावा दोनों देश मिलकर JF-17 फाइटर जेट बना रहे हैं। पाकिस्तान को चीनी ड्रोन और नौसैनिक उपकरण भी मिल रहे हैं। दिसंबर 2024 में चीन और पाकिस्तान ने संयुक्त आतंकवाद-रोधी सैन्य अभ्यास भी किया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भविष्य में पाकिस्तान में चीनी सैन्य ठिकाने बन सकते हैं, जिससे भारत की सीमाओं के पास चीन की मौजूदगी बढ़ेगी।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी गुरुवार को प्रेस ब्रीफिंग के दौरान सवालों के जवाब देते हुए।

पाकिस्तान लगातार चीन से रिश्ते बेहतर करने की कोशिश में जुटा है। पेंटागन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, चीन 2020 से अब तक पाकिस्तान को 36 जे-10सी लड़ाकू विमान दे चुका है।

भारत पहले भी तीसरे पक्ष की भूमिका नकार चुका है

चीन और ट्रम्प के दावों के उलट भारत सरकार पहले भी साफतौर पर कह चुकी है कि इस पूरे मामले में किसी भी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत का कहना है कि यह तनाव सीधे भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच बातचीत से ही खत्म हुआ।

भारत के मुताबिक, भारी नुकसान होने के बाद पाकिस्तान के सैन्य अधिकारी ने भारतीय सैन्य अधिकारी से संपर्क किया था। भारत का कहना है कि पाकिस्तान के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय DGMO से बात की और इसके बाद दोनों देशों ने 10 मई से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी।

पाकिस्तान ने पहले ट्रम्प को संघर्ष सुलझाने का क्रेडिट दिया था

पाकिस्तान सरकार ने ट्रम्प को नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया था। पाकिस्तान का कहना था कि भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान ट्रम्प की कूटनीतिक पहल और मध्यस्थता ने एक बड़े युद्ध को टालने में मदद की।

पाकिस्तानी सरकार ने अपने ऑफिशियल स्टेटमेंट में कहा था कि ट्रम्प ने नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों से बात कर संघर्षविराम में अहम भूमिका निभाई। इससे दो न्यूक्लियर ताकत वाले देशों के बीच युद्ध की आशंका टल गई।

स्विट्जरलैंड में 40 लोगों की मौत के बाद बार मालिक ने तोड़ी चुप्पी

बार मालिक बोले हम खाना-सोना भूल गए

नई दिल्ली, एजेंसी

स्विट्जरलैंड में नए साल का जश्न कई लोगों के लिए मातम में तब्दील हो गया। स्की रिजार्ट क्रांस-मोंटाना के बार में लगी आग ने कई लोगों को अपनी चपेट में ले लिया। इस घटना में 40 लोगों की मौत हो गई और 119 लोग घायल थे। वहीं, बार के मालिक को भी इस घटना से गहरा धक्का लगा है।

ले कॉन्स्टेलेशन बार के मालिक जैक्स मोरेटी अपनी पत्नी जेसिका के साथ मिलकर बार को मैनेज करते थे। जैक्स एक फ्रांसीसी नागरिक हैं, जो स्विट्जरलैंड में अपना बार चला रहे थे। उनका कहना है कि पिछले 10 साल में 3 बार निरीक्षण हो चुका है। ट्रिब्यून डी जिनेवा को दिए इंटरव्यू में जैक्स ने कहा, ‘सबकुछ समय के मुताबिक चल रहा था।’ हादसे के दौरान जैक्स बार में नहीं थे, मगर उनकी पत्नी जेसिका मोरेटा उसी जगह पर मौजूद थीं। हादसे में उन्हें भी मामूली चोटें आईं हैं।

- बार मालिक जैक्स मोरेटी ने घटना पर जताया गहरा सदमा।
- फाउंटेन कैंडल्स से आग लगने का शुरुआती अनुमान।

जैक्स के अनुसार, इस घटना से हमें गहरा सदमा लगा है। हम सो नहीं पा रहे हैं और न ही खा पा रहे हैं। हम जांच में पूरा सहयोग करने का आश्वासन देते हैं। आग लगने का कारण अभी पूरी तरह से साफ नहीं है। हम इसका पता लगाने का हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

फास्ट न्यूज

‘आग में घी डालने का काम’

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क के नवनिर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी ने सत्ता संभालते ही पूर्व मेयर के दो कार्यकारी आदेशों को रद कर दिया है। इसे लेकर इजरायल ने जोहरान ममदानी की आलोचना की है। इजरायली सरकार ने ममदानी पर यहूदी विरोधी होने का आरोप लगाया है। न्यूयॉर्क सिटी के पूर्व मेयर एरिक एडम्स ने 2 कार्यकारी आदेश जारी करते हुए कहा था कि इजरायल के खिलाफ कुछ आलोचनाओं को यहूदी विरोधी माना जाएगा ।

मेट्रो में सफर किया, न्यूयॉर्क सिटी में घूमे

नई दिल्ली। जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर के तौर पर शपथ ले ली है। ममदानी ने ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह के लिए मैनहट्टन में भारी भीड़ उमड़ी थी। शपथ लेने के 24 घंटे के अंदर ममदानी ने अपने पहले दिन के काम की शुरुआत आम न्यूयॉर्क वासियों की तरह ही की।

जोहरान ममदानी ने मेयर के तौर पर अपना पहले दिन लोगों के साथ शुरू किया। वे अपने अपार्टमेंट से मेट्रो तक पैदल गए। ममदानी शुक्रवार, 2 जनवरी की सुबह क्वींस स्थित अपने एक कमरे के अपार्टमेंट से निकले, जहाँ वह अपनी पत्नी के साथ रहते हैं।

अडाणी एंटरप्राइजेज अगले हफ्ते 1000 करोड़ का पब्लिक-बॉन्ड-इश्यू लॉन्च करेगी

मुंबई। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज अगले हफ्ते पब्लिक बॉन्ड इश्यू के जरिए 1000 करोड़ रुपए जुटाने जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, इसमें 500 करोड़ का ग्रीनशू ऑप्शन भी शामिल है। इश्यू 6 जनवरी को खुलेगा और 19 जनवरी 2026 तक चलेगा।

कंपनी 2 साल, 3 साल और 5 साल की मैच्योरिटी वाले बॉन्ड जारी करेगी।

बीवाईडी दुनिया में सबसे ज्यादा ईवी बेचने वाली कंपनी बनी

2025 में 22.5 लाख इलेक्ट्रिक कारें बेचीं

नई दिल्ली, एजेंसी

चीनी कंपनी BYD ने बिक्री के मामले में टेस्ला को पीछे छोड़ दिया। BYD की साल 2025 में बैटरी से चलने वाली कारों की बिक्री लगभग 28% बढ़कर 22.5 लाख से अधिक हो गई।

वहीं इलॉन मस्क की कंपनी टेस्ला ने 2025 में कुल 16.4 करोड़ इलेक्ट्रिक वाहन बचे, जो 2024 के मुकाबले 9% कम है। टेस्ला की ब्रिक्री में लगातार दूसरे साल गिरावट आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला की घटती बिक्री के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, एलन मस्क की दक्षिणपंथी राजनीति और उनके बयानों को लेकर ग्राहकों में नाराजगी है। इसे 'कस्टमर रिवोल्ट' यानी ग्राहकों का विद्रोह कहा जा रहा है। दूसरा कारण चीन और दूसरे विदेशी बाजारों में BYD जैसी कंपनियों से

मिल रही कड़ी टक्कर है जो टेस्ला से कम कीमत पर अच्छे मॉडल्स ऑफर कर रही हैं।

बिक्री में गिरावट और कई दूसरी चुनौतियों के बावजूद, टेस्ला का शेयर 2025 में लगभग 18% की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसकी वजह निवेशकों का कंपनी के भविष्य के प्लान्स पर भरोसा है। निवेशक उम्मीद कर रहे हैं कि एलन मस्क रोबो टैक्सी सर्विस और ह्यूमनॉइड रोबोट्स के अपने वादों को पूरा करेंगे।

कंपनी का प्लान ऐसे रोबोट बनाने का है जो घरों और ऑफिस में बेसिक काम कर सकें।

यूट्यूबर, जर्नलिस्ट और आर्मी अफसर भी शामिल, पूर्व पीएम की गिरफ्तारी के बाद ऑनलाइन हिंसा भड़काई थी

7 इमरान समर्थकों को आजीवन कारावास

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थक माने जाने वाले 7 लोगों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामाला इमरान की गिरफ्तारी के बाद 2023 में हुए हिंसक प्रदर्शनों से जुड़ा है।

समाचार एजेंसी PTI के अनुसार, सातों पर राज्य संस्थानों के खिलाफ डिजिटल आतंकवाद में शामिल होने का मुकदमा चलाया गया। कोर्ट ने कहा कि इन लोगों ने विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा और अशांति भड़काने के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों का इस्तेमाल किया।

दोषी ठहराए गए लोगों में यूट्यूबर आदिल राजा, जर्नलिस्ट वजाहत सईद खान, साबिर शाकिर और शाहीन सहबाई, टेलीविजन एंकर हैदर रजा मेहदी, विश्लेषक मोईद पीरजादा और पूर्व सेना अधिकारी अकबर हुसैन शामिल हैं। यह फैसला इस्लामाबाद की एंटी-टेररिज्म कोर्ट के जज ताहिर अब्बास सिप्रा ने सुनाया।

अभियोजन पक्ष का आरोप है कि इन सात लोगों ने सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का इस्तेमाल कर भडकाऊ भाषण दिए। राज्य विरोधी पोस्ट शेयर किए और राज्य संस्थाओं के खिलाफ नफरत फैलाने की कोशिश की। सजा पाने वाले सभी लोग इमरान सरकार हटने के बाद पाकिस्तान छोड़कर चले गए थे और फिलहाल विदेश में रह रहे हैं।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों ने पुलिस पर 9 मई, 2023 को पत्थर फेंके।

जर्नलिस्ट सईद खान बोले- कभी समन नहीं भेजा गया, यह सब नाटक है

अदालत के फैसले पर न्यूयॉर्क में रहने वाले जर्नलिस्ट सईद खान ने एक बयान में कहा कि उन्हें कभी कोई समन नहीं भेजा गया, कभी किसी कार्यवाही की सूचना नहीं दी गई, और अदालत ने कभी उनसे संपर्क नहीं किया। रॉयटर्स के मुताबिक उन्होंने कहा, यह फैसला न्याय नहीं है। यह एक राजनीतिक नाटक है, जिसे गलत तरीके से विश्वसनीयता के बिना संचालित किया जा रहा है।

इमरान समर्थकों ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया था

यह मामला 9 मई 2023 का है, जब इमरान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के समर्थकों ने उनकी गिरफ्तारी के विरोध में देशभर में बड़े प्रदर्शन किए थे। प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में सेना की इमारतों को आग लगाई और सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, जिसके बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई शुरू की। पाकिस्तानी सरकार और सेना ने इमरान खान की पार्टी और विरोधी लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई शुरू कर दी है, आतंकवाद विरोधी कानूनों का इस्तेमाल करते हुए सैकड़ों लोगों पर राज्य संस्थानों पर हमले और उकसाने के आरोप में मुकदमा चलाया गया है।

इसी से गई थी एपल सीईओ स्टीव जॉब्स की जान, 90% मरीज 5 साल भी नहीं जी पाते

चीन में एआई ने बिना लक्षण वाला पैंक्रियाज कैंसर पहचाना

बीजिंग, एजेंसी

चीन में 57 साल के मजदूर किउ सिजुन डायबिटीज की जांच कराकर लौटे थे। 3 दिन बाद उन्हें हॉस्पिटल से एक डॉक्टर ने फोन किया। उन्होंने सिजुन को दोबारा आने को कहा। सिजुन घबरा गए। उन्हें तभी किसी अनहोनी का अंदेशा हुआ।

वह सही थे। जांच में उन्हें पैंक्रियाज (अग्नाशय) के कैंसर का पता चला। लेकिन अच्छी खबर यह थी कि यह कैंसर बहुत शुरुआती अवस्था में पकड़ में आ गया। दरअसल, हॉस्पिटल AI की मदद से बीमारियों की पहचान की टेस्टिंग कर रहा था। डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन कर ट्यूमर निकाल दिया। AI टूल की वजह से तुरंत इसका पता चल गया। पैंक्रियाज कैंसर सबसे घातक

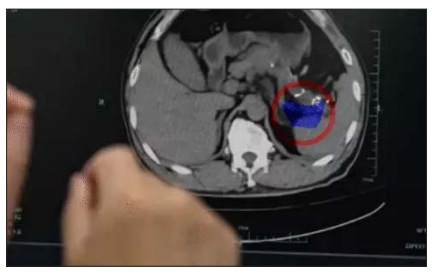

कैंसरों में से एक माना जाता है। इसमें सिर्फ 10 फीसदी मरीज ही 5 साल तक जिंदा रह पाते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि इसे शुरुआती दौर में पकड़ना बहुत मुश्किल होता है। आमतौर पर इसके लक्षण तब सामने आते हैं, जब कैंसर काफी बढ़ चुका होता है। इसी से एपल CEO स्टीव जॉब्स की मौत हुई थी। यह दुनिया में पहली बार नहीं है जब AI से पैंक्रियाज कैंसर की पहचान हुई है। अमेरिका, ब्रिटेन और चीन में पिछले कुछ सालों से AI टूल्स पर रिसर्च चल रही है, जो CT स्कैन, MRI, ब्लड टेस्ट पैटर्न, मेडिकल रिकॉर्ड के जरिए पैंक्रियाटिक कैंसर की पहचान करते हैं।

नवंबर 2024 से चल रहा क्लिनिकल ट्रायल

चीन में निंगबो यूनिवर्सिटी से जुड़े पीपुल्स हॉस्पिटल में नवंबर 2024 से इसे एक क्लिनिकल ट्रायल के तहत इस्तेमाल किया जा रहा है। अब तक इस सिस्टम ने 1 लाख 80 हजार से ज्यादा पेट और सीने के CT स्कैन का एनालिसिस किया है।

इसकी मदद से लगभग 24 कैंसर के मामले सामने आए, जिनमें से 14 शुरुआती स्टेज के थे। टूल ने 20 मामलों में इंट्राडक्टल एडेनोकार्सिनोमा की पहचान की, जो अग्नाशय कैंसर का सबसे घातक रूप है।

कियू सिजुन को नए AI टूल की मदद से शुरुआती चरण में ही पैंक्रियाटिक कैंसर का पता चल गया।

जहां टेस्ट फेल, वहां एआई पास

कियू सिजुन अब स्वस्थ हैं और अपने खेत में सब्जियां उगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें AI की ज्यादा समझ नहीं है, लेकिन समय पर मिली चेतावनी ने उनकी जिंदगी बचा ली।

यह मामला उदाहरण है कि कैसे चीन की टेक कंपनियां और अस्पताल, कैंसर ट्रीटमेंट की सबसे मुश्किल समस्याओं को हल करने के लिए AI का इस्तेमाल कर रहे हैं।

आमतौर पर अग्नाशय के कैंसर में लक्षण तब सामने आते हैं, जब यह काफी बढ़ चुका होता है। इस कैंसर की जांच के लिए जो भी टेस्ट होते हैं, जैसे कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन, उनमें बहुत ज्यादा रेडिएशन होता है। इसलिए कई एक्सपर्ट्स बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग की सलाह नहीं देते।

कम रेडिएशन वाले विकल्प, जैसे नॉन-कॉन्ट्रास्ट सीटी स्कैन में इसका पता ही नहीं चलता। इस वजह से रेडियोलॉजिस्ट के लिए गड़बड़ी पहचानना कठिन हो जाता है। अब AI इसमें बदलाव ला रहा है। AI छोटे-छोटे बदलावों को पहचान रहा है, जिन्हें इंसानी आंखें अक्सर नहीं देख पाती हैं।

एयर और वाटर प्यूरीफायर 13 प्रतिशत तक होंगे सस्ते

जीएसटी 18% से घटाकर 5% कर सकती है सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के कई हिस्सों में बढ़ते प्रदूषण और खराब एयर क्वालिटी के बीच आम आदमी के लिए राहत की खबर आ सकती है। सरकार एयर और वाटर प्यूरीफायर पर लगने वाले जीएसटी (GST) में बड़ी कटौती करने की तैयारी में है।

बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जीएसटी काउंसिल अगले 15 दिनों के भीतर एक बैठक कर सकती है, जिसमें इन उपकरणों पर टैक्स को 18% से घटाकर 5% करने के प्रस्ताव पर चर्चा होने की संभावना है। अभी तक एयर और वाटर प्यूरीफायर को 'डिस्क्रेशनरी' यानी विलासिता (लग्जरी) वाली कैटेगरी में रखा गया है, जिसके कारण इन पर 18% जीएसटी लगता है। सरकार अब इन्हें 'जरूरी वस्तु' की कैटेगरी में डालने पर विचार कर रही है। अगर यह फैसला लागू होता है, तो

प्यूरीफायर की कीमतों में 10% से 15% तक की कमी आ सकती है। इससे कम आय वाले परिवारों के लिए भी साफ हवा और सुरक्षित पानी का इंतजाम करना आसान हो जाएगा। टैक्स घटाने की इस चर्चा के पीछे दिल्ली हाई कोर्ट का दखल भी एक बड़ी वजह है। हाल ही में एक जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्र सरकार को कड़ी फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर दिल्ली-NCR में नागरिकों को साफ हवा नहीं मिल पा रही है, तो कम से कम उन मशीनों पर टैक्स तो कम किया जाना चाहिए जो हवा साफ करती हैं।

अमेरिकी अखबार का दावा : 2025 में फैमिली बिजनेस बढ़ाया, बेटे-बेटी और दामाद कारोबार संभालते

ट्रम्प हर डील में अपने परिवार का फायदा देखते

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का दूसरा कार्यकाल ट्रम्प परिवार के लिए कमाई का जरिया बनता जा रहा है। न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रम्प सरकार ने पिछले एक साल में जिन-जिन देशों के साथ बड़ी डील्स कीं, उन्हीं से ट्रम्प परिवार का कारोबार भी तेजी से बढ़ा। ट्रम्प जब दोबारा व्हाइट हाउस पहुंचे, तो उन्होंने पहले कार्यकाल की तरह यह वादा नहीं किया कि उनका परिवार नए अंतरराष्ट्रीय सौदे नहीं करेगा। लेकिन, कभी क्रिप्टो को धोखा बताने वाले ट्रम्प अब खुद क्रिप्टो को बढ़ावा दे रहे हैं। ट्रम्प परिवार का कारोबार अब रियल एस्टेट से आगे क्रिप्टो, एआई, डेटा सेंटर्स तक फैल चुका है। आलोचकों का कहना है कि ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में राष्ट्रपति पद अमेरिका के लिए कम और परिवार

यह तस्वीर 16 जून 2015 की है। इसमें ट्रम्प, उनकी पत्नी मेलानिया, बेटे-बेटी और उनके बच्चे दिख रहे हैं।

के लिए ज्यादा काम करता दिख रहा है। अप्रैल 2025 में सऊदी समर्थित गोल्फ टूर्नामेंट के दौरान ट्रम्प ने लिखा- 'यह अमीर बनने का शानदार वक्त है, पहले से भी ज्यादा अमीर।' वे इसी राह पर चल रहे हैं। ट्रम्प के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी टीम ने बड़े पैमाने पर चंदा भी जुटाया है। न्यूयॉर्क टाइम्स की जांच में सामने आया है कि चुनाव के बाद ट्रम्प और उनके करीबियों ने करीब 2 अरब डॉलर (18 हजार करोड़ रुपए) अलग-अलग फंड और योजनाओं के लिए इकट्ठा किए। यह रकम उनके इलेक्शन कैंपेन के लिए जुटाई गई राशि से भी ज्यादा है। रिपोर्ट के मुताबिक सरकारी कागजात, फंडिंग रिकॉर्ड और कई लोगों से बातचीत करके पता लगा कि कम से कम 346 बड़े दानदाता ऐसे हैं, जिनमें से हर एक ने 2.5 लाख डॉलर या उससे ज्यादा का चंदा दिया।

ट्रम्प परिवार का कारोबार 5 सेक्टर में फैला

क्रिप्टो कारोबार : डोनाल्ड ट्रम्प, स्टीव विटकॉफ (मध्य-एशिया में अमेरिका के विशेष दूत) और उनके बेटे यह कारोबार संभालते हैं। वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ट्रम्प मेमकॉइन और डब्ल्यूएलएफआई टोकन जारी करती है।

रियल एस्टेट और ट्रम्प ब्रांड : डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और एरिक ट्रम्प ट्रम्प ऑर्गेनाइजेशन चलाते हैं। होटल, गोल्फ कोर्स और टावरों के लिए ट्रम्प नाम से लाइसेंस होता है। यह 8 ग्लोबल प्रोजेक्ट बना रही है।

एआई और टेक निवेश : स्टीव विटकॉफ और डेविड सैक्स एआई और डेटा सेंटर में निवेश देखते हैं। लुटनिक की कंपनी फीस कमाती है। एनवीडिया चिप्स यूएई की जी42 को बेचने से नेटवर्क को फायदा मिला।

डिफेंस और टेक कॉन्ट्रैक्ट्स : डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर से जुड़ी कंपनियां ड्रोन और रक्षा तकनीक के ठेके संभालती हैं। पेंटागन से एग्रीमेंट मिले हैं। ट्रम्प मीडिया का टीएई टेक्नोलॉजी से 49,800 करोड़ रुपए का विलय प्रस्ताव है।

फाइनेंशियल और निवेश कंपनियां : जैरेड कुशनर एफिनिटी पार्टनर्स चलाते हैं। सऊदी अरब और खाड़ी देशों से हजारों करोड़ जुटाए गए। यह पैसा रियल एस्टेट, टेक और डेटा सेंटर प्रोजेक्ट्स में लगाया जा रहा है।

यमन में सऊदी अरब का हवाई हमला, 20 की मौत

सरकार-अलगाववादी गुट में जंग छिड़ी

सना, एजेंसी

यमन में सऊदी अरब की एयर-स्ट्राइक में 20 अलगाववादी लड़ाके मारे गए हैं। यह घटना शुक्रवार को दक्षिणी प्रांत के हद्रामौत में हुई जहां अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (STC) के एक ठिकाने को निशाना बनाया गया। इसमें 20 से ज्यादा लोग घायल भी हो गए हैं।

इस बीच यमन सरकार ने सैन्य कार्रवाई कर अलगाववादी गुट से अहम मिलिट्री बेस वापस अपने कब्जे में लेने का दावा किया है। हद्रामौत के गवर्नर सालेम अल-खानबाशी ने कहा कि सुरक्षाबल सिर्फ STC के कब्जे से सैन्य ठिकानों को वापस लेने की कोशिश कर रहे हैं।

यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब दो दिन पहले ही UAE ने यमन

से अपनी सेना वापस बुलाने की बात कही थी। इसके पहले सऊदी अरब ने UAE को देश से बाहर निकलने के लिए 24 घंटे की समय सीमा दी थी। STC यमन का एक अलगाववादी संगठन है, जो कि यमन के दक्षिणी हिस्से को आजाद कराने के लिए जंग लड़ रहा है। UAE ने कहा है कि उसने तनाव कम करने की कोशिश की है और उसकी आखिरी सेना यमन से निकल चुकी है। यमन के मुकल्ला बंदरगाह पर मंगलवार को सऊदी अरब के हमले के बाद UAE ने सेना वापस बुलाने की घोषणा की थी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96